mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-04 अंक-272 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
01 सितंबर 2024 मंगलवार

दैनिक मीडिया ऑडीटर

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

रविंद्र जडेजा ने ...
@ पेज 7

हरियाणा चुनाव प्रचार में सीएम योगी बोले

कांग्रेस ने तुष्टीकरण की हदें पार की, विकास के नाम अपने परिवार को आगे बढ़ाया

हरियाणा (एजेंसी)। योगी ने अपने संबोधन में आगे कहा कि आपने देखा है कि पिछले 10 वर्षों में हरियाणा में कनेक्टिविटी का विकास हुआ है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि अगर कांग्रेस ने लोगों के लिए काम किया होता तो पीएम मोदी को 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन नहीं देना पड़ता।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज हरियाणा के बवानी खेड़ा विधानसभा क्षेत्र में एक चुनावी सभा को संबोधित करने पहुंचे थे। इस दौरान योगी ने कहा कि मैं बवानी खेड़ा की जनता का आभारी हूं जिन्होंने यहां कांग्रेस का खाता कभी नहीं खुलने दिया। उन्होंने कहा कि यहां के लोग जानते हैं कि अगर कांग्रेस जीतेगी तो वे देश के साथ गद्दारी करेंगे। उन्होंने (कांग्रेस) अपने राजनीतिक लाभ के लिए देश के विभाजन का समर्थन किया। तुष्टीकरण की हदें पार कर विकास के नाम पर केवल अपने घरों को आगे बढ़ाया। उन्होंन साफ तौर पर कहा कि कांग्रेस ने देश को विकास नहीं बल्कि आतंकवाद और अराजकता दी।

जम्मू-कश्मीर की 40 सीटों पर आज वोटिंग

- आखिरी फेज में 415 कैंडिडेट्स; आतंकी अफजल गुरू और इंजीनियर राशिद के भाई चुनावी मैदान में

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के आखिरी और तीसरे चरण में आज मंगलवार (1 अक्टूबर) को 7 जिलों की 40 विधानसभा सीटों पर वोटिंग होगी। इसमें 39.18 लाख वोटर्स शामिल होंगे। तीसरे फेज की 40 सीटों में से 24 जम्मू डिवीजन और 16 कश्मीर घाटी की हैं। चुनाव आयोग के मुताबिक, आखिरी फेज 415 कैंडिडेट्स मैदान में हैं।

संक्षिप्त समाचार

नीतीश कुमार के दिल्ली दौरे से गरमाई बिहार की सियासत

- क्या समय से पहले होंगे चुनाव? एक्शन मोड में सभी पार्टियां

पटना (एजेंसी)। विधानसभा के चुनाव महाराष्ट्र, हरियाणा और झारखंड में हो रहे हैं, लेकिन चुनावी सरगर्मी बिहार में दिख रही है। हर दल इस तरह एक्टिव है, जैसे आमतौर पर चुनाव के दौरान होता है।

जेडीयू का कार्यकर्ता समागम- दूसरे दल अगर चुनाव की आहट का अनुमान लगा कर ऐसा कर रहे हों तो आश्चर्य नहीं, लेकिन सत्ताधारी जेडीयू भी अगर सक्रिय है तो इसकी कोई न कोई वजह जरूर होगी। जेडीयू के राष्ट्रीय महासचिव मनीष वर्मा कार्यकर्ता समागम 27 सितंबर से शुरू कर चुके हैं। उनकी तैयारी हर जिले में जाकर कार्यकर्ताओं से संवाद करने की है। नीतीश कुमार ने मनीष वर्मा का चयन शायद इसलिए किया है कि वे पार्टी के सुलझे हुए नेताओं में शुमार किए जा रहे हैं।

शाह बोले-खड़गे ने अपने नेताओं से ज्यादा घटिया बात कही

- कांग्रेस अध्यक्ष ने जम्मू में कहा था, मोदी को पीएम पद से हटाए बिना मरने वाला नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के मोदी पर दिए बयान पर निशाना साधा। शाह ने कहा- कांग्रेस अध्यक्ष अपने पार्टी नेताओं से ज्यादा शर्मनाक बयान देते हैं। हमारी प्रार्थना है कि वे अनेक वर्षों तक जीवित रहें और 2047 तक विकसित भारत का निर्माण होते देखें। दरअसल, कठुआ में एक रैली के दौरान 83 साल के कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की तबीयत बिगड़ गई थी। बाद में लौटकर उन्होंने कहा था कि जब तक वे मोदी को हटाएंगे नहीं, जिंदा रहेंगे।

महबूबा बोलीं-

हिटलर के बाद नेतन्याहू सबसे बड़े आतंकी

- नसरल्लाह को शहीद बता चुकीं; विरोध हुआ तो कहा- भाजपा उनके संघर्ष को नहीं जानती

श्रीनगर (एजेंसी)। पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने सोमवार को कहा कि इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू एडोल्फ हिटलर के बाद सबसे बड़े आतंकवादी हैं, क्योंकि यहूदी नेता ने फिलिस्तीन और लेबनान को गैस चैंबर में बदल दिया है।

त्यौहारों में रहें सावधान

उंगली बराबर केले को जहर भरकर किया जा रहा बड़ा

60 रुपए दर्जन में हर घर पहुंच रहा कैंसर

नईदिल्ली (एजेंसी)। त्यौहारों का सीजन शुरु हो गया है। केला एक ऐसा फल है जिसके स्वास्थ्य को अनगिनत फायदे हैं। इसमें वो सभी जरूरी पोषक तत्व पाए हाते हैं, जो शरीर के बेहतर कामकाज के लिए चाहिए। केला केले पोटेशियम, मैग्नीशियम, विटामिन बी6, फास्फोरस जैसे विटामिन और मिनरल्स का भंडार होता है।

केला खाने से पाचन मजबूत करने, वजन घटाने, वजन बढ़ाने, हड्डियों को मजबूत करने, ऊर्जा का लेवल बढ़ाने, दिल को स्वस्थ रखने और ब्लड शुगर कंट्रोल करने और कई फायदे मिलते हैं। लेकिन यह फायदे आपको तभी मिल सकते हैं, जब आप नेचुरल तरीके से पका केला खा रहे हों।

मगर क्या आप जानते हैं कि आप जो केला खा रहे हैं, वो खतरनाक केमिकल्स से पकाए जा रहे हैं। हैरानी की बात तो यह है कि केले को समय से पहले तोड़कर उन्हें जबरदस्ती केमिकल्स से पाकर बाजार में बेचा जा रहा है। जाहिर है ऐसे में

मजबूरन आपके शरीर में जहर घोला जा रहा है।

कार्बाइड का क्या मतलब है?- कार्बाइड, विशेष रूप से कैल्शियम कार्बाइड का केले और अन्य फलों को पकाने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। यह एक ऐसा केमिकल है जिस पर भारत सहित कई देशों में बैन है। इसे स्वास्थ्य के लिए खतरा माना गया है। इससे पके फलों को खाने से कैंसर सहित कई गंभीर बीमारियों का खतरा होता है।

भारत में बैन है यह केमिकल- कैल्शियम कार्बाइड में आमतौर पर आर्सेनिक और फास्फोरस होते हैं। इन केमिकल्स के इस्तेमाल से सेहत को कई नुकसान हो सकते हैं। इन खतरों के कारण, खाद्य सुरक्षा और मानकों के विनियमन 2.3.5 के तहत फलों को पकाने के लिए कैल्शियम कार्बाइड के उपयोग पर प्रतिबंध (आरईएफ) लगा दिया गया है।

खत्म हो जाते हैं पोषक तत्व

कृत्रिम रूप से पके फलों में अक्सर प्राकृतिक रूप से पके फलों की तुलना में कम पोषण मूल्य होता है। उनमें शुगर और अन्य आवश्यक पोषक तत्वों का पूर्ण विकास नहीं हो सकता है, जिससे उनके स्वास्थ्य लाभ कम हो जाते हैं।

कार्बाइड से पके केले की पहचान कैसे करें

- कार्बाइड से पके केले अक्सर असमान रूप से पकते हैं। केले के कुछ हिस्से पीले हो सकते हैं जबकि अन्य हरे रह सकते हैं।
- कैल्शियम कार्बाइड से पके केले प्राकृतिक रूप से पके केले की तुलना में जल्दी खराब हो जाते हैं।
- कार्बाइड से पके केले की त्वचा अक्सर अधिक पीली दिखाई देती है और चमकदार दिखाई दे सकती है, लेकिन मांस कम पका हुआ या सख्त रहता है।
- प्राकृतिक रूप से पके केले को छूने पर मुलायम महसूस होता है, लेकिन फिर भी वह अपना आकार बनाए रखता है। यदि केला पूरी तरह पीला होने पर भी बहुत सख्त है, तो यह रसायन से पकाया गया हो सकता है।
- प्राकृतिक रूप से पके केले में एक सुखद, मधुर खुशबू होती है। रसायन से पके केले में यह प्राकृतिक खुशबू नहीं होती।

विधानसभा चुनाव से पहले शिंदे सरकार का फैसला

गाय को राज्यमाता का दर्जा दिया

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे सरकार ने देशी गाय को राज्यमाता का दर्जा दिया है। ऐसा करने वाला महाराष्ट्र देश का पहला राज्य है। सोमवार (30 सितंबर) को कैबिनेट बैठक में सरकार ने ये फैसला लिया। महायुति सरकार ने इसको लेकर अधिसूचना जारी कर दी है।

शिंदे ने कहा कि स्वदेशी गायें हमारे किसानों के लिए वरदान हैं। इसलिए हमने इन्हें 'राज्य माता' का दर्जा देने का फैसला लिया है। इसके साथ ही हम गोशालाओं में स्वदेशी गायों के पालन-पोषण के 50 रुपए प्रतिदिन की सब्सिडी योजना लागू करने जा रहे हैं। गौशालाएं अपनी कम आय के चलते यह खर्च नहीं उठा सकती थीं, इसलिए यह फैसला लिया गया है।

नेपाल में भारी बारिश के बाद

बिहार के दरभंगा में कोसी पर बना बांध टूटा, 12 जिलों में बाढ़

8 प्रखंडों के 58 स्कूल 2 अक्टूबर तक बंद, एक लाख लोग प्रभावित

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेपाल में हुई भारी बारिश की वजह से बिहार के 12 जिलों में बाढ़ का खतरा है। दरभंगा में सोमवार देर रात कोसी नदी का बांध टूट गया। इससे एक लाख लोग प्रभावित हुए हैं। इसके अलावा सीतामढ़ी, शिवहर और बगहा जिले में भी बागमती नदी के 6 तटबंध टूटे हैं।

प्रशासन ने पश्चिम चंपारण जिले में 8 प्रखंडों के 58 स्कूलों को 2 अक्टूबर तक बंद कर दिया है। बाढ़ का सबसे ज्यादा असर सुपौल और पश्चिमी चंपारण के इलाके में पड़ा है। अररिया में भी बारिश और बाढ़ के कारण रेलवे ट्रैक पर पानी आ गया। अगले 24 घंटे में बाढ़ का दायरा बढ़ेगा। उधर, राजस्थान में झालावाड़, बारां, राजसमंद, सिरोही, उदयपुर के कई हिस्सों में बारिश हुई।

नेपाल में बाढ़-भूस्खलन- 170 लोगों की मौत,300 से अधिक घर डूबे, 16 पुल टूटे

नेपाल में भारी बारिश के चलते आई बाढ़ और भूस्खलन के चलते अब तक 170 लोगों की मौत हो चुकी है। यहां गुरुवार से लगातार पानी गिर रहा है। इसकी वजह से पूर्वी और मध्य नेपाल के कई इलाके जलमग्न हो चुके हैं। कुछ इलाकों में अचानक बाढ़ भी आई है। अकेले काठमांडू घाटी में 40 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है। बाढ़, भूस्खलन और जलभराव की वजह से 55 से ज्यादा लोग लापता हैं और 100 से अधिक घायल हुए है। साथ ही कम से कम 322 घर और 16 पुल अब तक क्षतिग्रस्त हो चुके हैं।

मिथुन चक्रवर्ती को दादासाहेब फाल्के पुरस्कार

8 अक्टूबर को मिलेगा सम्मान

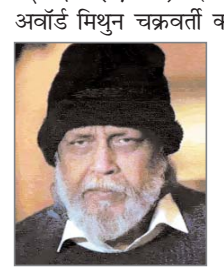

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस साल दादासाहेब फाल्के अवॉर्ड मिथुन चक्रवर्ती को दिया जाएगा। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार (30 सितंबर) को यह घोषणा की। मिथुन दा को 8 अक्टूबर को 70वीं नेशनल फिल्म अवॉर्ड सेरेमनी में सम्मानित किया जाएगा। मिथुन करीब 5 दशक के करियर में बांग्ला, हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, ओडिया और भोजपुरी की 350 से ज्यादा फिल्मों में काम कर चुके हैं। पीएम मोदी समेत कई अभिनेताओं और नेताओं ने मिथुन दा का बधाई दी।

दादासाहेब फाल्के अवॉर्ड मिलने पर मिथुन दा ने कहा मैं निःशब्द हूं- सच कहूं तो इतना प्रतिष्ठित पुरस्कार पाकर मैं निःशब्द हूं। न मैं रो पा रहा हूं न मैं मुस्कुरा पा रहा हूं। इतनी बड़ी चीज है। जहां से मैं आया हूं, उस लड़के को इतना बड़ा सम्मान मिला है, मैं सोच भी नहीं सकता। मैं ये अपने परिवार और दुनियाभर के फैंस को डेडिकेट करता हूं।

राहुल गांधी की 'विजय संकल्प यात्रा', बोले-

हरियाणा को नहीं चाहिए अडाणी सरकार

- प्रियंका बोलीं- प्रधानमंत्री 10 साल पुराने आरोप लगा रहे

नारायणगढ़ (एजेंसी)। राहुल गांधी की हरियाणा में दो दिन हरियाणा 'विजय संकल्प यात्रा' निकाल रहे हैं। सोमवार, 30 सितंबर को पहले दिन यह यात्रा नारायणगढ़ से शुरू हुई। राहुल ने नारायणगढ़ की जनसभा में कहा, हरियाणा में मुकाबला भाजपा-कांग्रेस का है। बाकी छोटी-छोटी पार्टियां सब भाजपा की हैं। अग्निवीर स्कीम जवानों की पेंशन चोरी का तरीका है।

उन्होंने कहा कि हरियाणा में अडाणी की सरकार नहीं चाहिए। किसानों, मजदूरों की सरकार बनेगी। जब भी मेरी जरूरत है, भाषण देना हो। आपको सिर्फ ऑर्डर देना है, मैं हाजिर हो जाऊंगा। इस यात्रा में राहुल के साथ बहन प्रियंका गांधी भी हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री 10 साल पुराने आरोप लगा रहे हैं।

बोधगया में बरसे बाबा बागेश्वर

हवस का पुजारी सुना है, हवस का मौलवी क्यों नहीं हो सकता

गया (एजेंसी)। बागेश्वर धाम के आचार्य पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने बिहार के बोधगया में अपने भक्तों को संबोधित करते हुए हिंदुओं से एकजुट होने की अपील की। बाबा बागेश्वर अपने 200 अनुयायियों को पिंडदान कराने के लिए गया में हैं। यहां पर कथा के दौरान उन्होंने कहा कि मुसलमान अपने मौलवियों का अपमानित नहीं करते, लेकिन हिन्दू ऐसा करते हैं। उन्होंने कहा कि मुसलमान कभी भी अपने मौलवियों को बेइज्जत नहीं करते हैं, लेकिन हमलोग करते हैं। बाबा बागेश्वर ने आगे कहा कि लोगों के दिमाग में गलत बातें भरी जा रही हैं, जिसकी वजह से आज लोग श्राद्ध जैसे कर्मकांड को भी मजाक समझते हैं। उन्होंने ये भी कहा कि हम लोग के दिमाग में बहुत ही प्रायोजित तरीके से ब्रेन को वॉश करने के लिए शब्दों को पहुंचाया जा रहा है और भरा जा रहा है, इसलिए आज लोग श्राद्ध को भी हास्य समझते हैं। धीरेंद्र शास्त्री ने इस दौरान यह भी कहा कि वह किसी के विरोध में नहीं हैं लेकिन उन्होंने 'हवस का पुजारी' सुना है, तो 'हवस का मौलवी' क्यों नहीं हो सकता? उन्होंने लोगों से सवाल किया कि क्या उन्होंने कभी किसी मुल्ला को अपने धर्म का मजाक उड़ाते हुए देखा है? उन्होंने कहा कि हम किसी के विरोध में नहीं हैं, लेकिन हमने हवस का पुजारी सुना है।

तिरुपति लड्डू केस पहुंचा सुप्रीम कोर्ट

जांच चल रही है तो सीएम ने बयान क्यों दिया, कम से कम भगवान को तो राजनीति से दूर रखें

नई दिल्ली (एजेंसी)। तिरुपति मंदिर के लड्डुओं में जानवरों की चर्बी वाले घी के इस्तेमाल पर सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। जस्टिस बीआर गवई और केवी विश्वनाथन की बेंच ने कहा- 'जब प्रसाद में पशु चर्बी होने की जांच सीएम चंद्रबाबू नायडू ने एसआईटी को दी, तब उन्हें मीडिया में जाने की क्या जरूरत थी। कम से कम भगवान को तो राजनीति से दूर रखें।'

बेंच ने कहा- जुलाई में लैब रिपोर्ट आई। वह स्पष्ट नहीं है। मुख्यमंत्री एसआईटी जांच के आदेश देते हैं और फिर सितंबर में मीडिया के सामने बयान देते हैं। एक संवैधानिक पद पर बैठा व्यक्ति ऐसा कैसे कर सकता है।

दूसरे मामले में सुप्रीम कोर्ट बोला- गरीब दलित को आईआईटी धनबाद में एडमिशन दो,ऐसा टैलेंट जाने नहीं दे सकते, फीस के पैसे नहीं जुटा पाया था

उत्तरप्रदेश के मुजफ्फरनगर का गरीब छात्र अतुल कुमार अब आईआईटी धनबाद में पढ़ेगा। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार, 30 सितंबर को दाखिला देने का आदेश दिया।

संक्षिप्त समाचार

अंतर-विद्यालयीय लोकनृत्य प्रतियोगिता उल्लास 19 अक्टूबर को

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। नवनिध हासोमल लखानी पब्लिक स्कूल, भोपाल में अंतर-विद्यालयीन लोकनृत्य प्रतियोगिता उल्लास का आयोजन 19 अक्टूबर को किया जाएगा। जिसमें सीबीएसई से संबद्ध स्कूलों के छात्र-छात्राएं भाग लेंगे। यह प्रतियोगिता भारतीय लोक संस्कृति को जीवंत बनाए रखने और विद्यार्थियों में सांस्कृतिक चेतना को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित की जा रही है। जिनमें प्रतिभागियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर आकर्षक नकद पुरस्कारों से सम्मानित किया जाएगा। जिसके तहत प्रथम पुरस्कार ?10,000, द्वितीय पुरस्कार ?7,500, तृतीय पुरस्कार ?5,000 रुपए दिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि आयोजन में न केवल भोपाल से बल्कि आसपास के शहरों से भी प्रविष्टियां आमंत्रित की जा रही हैं। प्रतियोगिता में भाग लेने की अंतिम तिथि 5 अक्टूबर है। नवनिध हासोमल लखानी पब्लिक स्कूल की प्राचार्य अमृता मोटवानी ने बताया कि इस प्रतियोगिता का उद्देश्य भारतीय लोक नृत्य की समृद्ध धरोहर को जीवंत बनाए रखना और युवा पीढ़ी में इसका प्रसार करना है। उन्होंने सभी सीबीएसई स्कूलों से आग्रह करती किया है कि वे इस सांस्कृतिक महोत्सव में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें। यह प्रतियोगिता विद्यार्थियों को अपनी कला और लोक संस्कृति की प्रतिभा को प्रदर्शित करने का सुनहरा अवसर प्रदान करती है।

एमपी के 35वें मुख्य सचिव होंगे अनुराग जैन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के नए मुख्य सचिव अनुराग जैन होंगे। वे अगस्त 2025 तक इस पद पर रहेंगे। हालांकि नियुक्ति आदेश आज शाम तक जारी होगा। अनुराग जैन 1989 बैच के आईएएस अफसर हैं। मौजूदा मुख्य सचिव वीरा राणा का सर्विस एक्सटेंशन 30 सितंबर को यानी आज खत्म हो रहा है। जैन को मुख्य सचिव बनाने से किसी भी अफसर को सुपर सीड नहीं किया जाएगा। उनकी नियुक्ति का आधार अनुभव और सीनियोरिटी है। हालांकि वे सीएम डॉ मोहन यादव की पसंद भी हैं। अनुराग जैन को सीएस बनाने की चर्चा नौ महीने पहले भी हुई थी, जब सीएम डॉ. मोहन यादव से दिल्ली स्थित एमपी भवन में उनकी मुलाकात हुई थी। माना जा रहा था कि वे जल्द ही एमपी लौट सकते हैं। हालांकि आज सुबह सीएम हाउस में 1990 बैच के आईएएस डॉ. राजेश राजौरा को वहां मौजूद अफसरों ने बधाई भी दे दी थी। इस दौरान पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान सीएम हाउस में थे। उनकी मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव से आधे घंटे तक मुलाकात भी हुई। अनुराग जैन 30 मई 2020 से केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर थे। पूर्व मुख्य सचिव रहे इकबाल सिंह बैंस के एक्सटेंशन के समय भी जैन के मुख्य सचिव बनने की चर्चा थी, लेकिन केंद्र ने उन्हें नहीं छोड़ा। बता दें, अनुराग जैन के साथ राजेश राजौरा, मोहम्मद सुलेमान और जेएन कंसोटिया के नाम भी मुख्य सचिव के लिए चर्चा में थे।

मद्य निषेध सप्ताह का आयोजन प्रभावी ढंग से किया जाए -मंत्री श्री कुशवाह

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह ने कहा है कि एक अक्टूबर को अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस तथा 2 अक्टूबर से 7 अक्टूबर तक मनाए जाने वाला मद्य निषेध सप्ताह का आयोजन प्रभावी ढंग से किया जाए। उन्होंने यह निर्देश टीकमगढ़ जिले के प्रवास के दौरान विभाग योजना की समीक्षा बैठक में दिए। मंत्री श्री कुशवाह ने कहा की अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन कल्याण दिवस के अवसर पर वृद्धजनों के लिए कार्यक्रम का आयोजन जिला स्तर पर किया जाए। जिन वृद्धजनों को सहायक उपकरणों की आवश्यकता हो वह उपलब्ध कराये जाए। उप संचालक सामाजिक न्याय श्री आर.के. पस्तोर ने जिले में संचालित योजनाओं की जानकारी दी। जिले में दो वृद्धाश्रम संचालित है, जिनमें वरिष्ठजनों के दिवस 01 अक्टूबर को सहायक उपकरण का वितरण व कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जिला चिकित्सालय में नशा निवारण केन्द्र (एटीएफ) खोलने ने कि जिला चिकित्सालय में सिविल सर्जन के द्वारा प्रारम्भिक तैयारी कर ली गई है तथा मद्य निषेध सप्ताह के दौरान उक्त सेन्टर पर प्रारम्भ हो जायेगा। दिव्यांगजनों को एडिप योजना में सहायक उपकरण वितरण किये जाएँगे।

उद्यानिकी मंत्री कुशवाहा ने टीकमगढ़ में योजनाओं की समीक्षा कर नर्सरियों को आधुनिक बनाने के दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण मंत्री, श्री नारायण सिंह कुशवाहा ने टीकमगढ़ जिले में उद्यानिकी विभाग की योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने कृषकों के पंजीयन, भौतिक सत्यापन और नर्सरी में संचालित कार्यों की जानकारी प्राप्त की, जिसमें फल पौधों का उत्पादन, वितरण और रिक्त भूमि पर मातृ वृक्षों का रोपण शामिल था। उन्होंने जिले की शासकीय नर्सरी महेन्द्रबाग और कुण्डेश्वर को आधुनिक बनाने के निर्देश दिए, जिससे नर्सरियों की कार्यक्षमता और गुणवत्ता में सुधार हो सके। मंत्री ने अधिकारियों को नर्सरियों के संचालन में आवश्यक सुधार लागू करने का निर्देश दिये।

पत्रकार निष्पक्ष खबर से समाज में अपनी विश्वसनीयता को मजबूत करें

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा है कि आज के दौर में पत्रकारिता के क्षेत्र में तेजी से बदलाव आ रहा है। इस दौर में कई कारणों से पत्रकारों की निष्पक्षता पर सवाल खड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि बदलते दौर में भी पत्रकार अपनी ?निष्पक्ष खबरों से जनता में अपनी विश्वसनीयता और मजबूत कर सकते हैं। मंत्री श्री विजयवर्गीय आज भोपाल में नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट (इंडिया) की राष्ट्रीय पदाधिकारी बैठक को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर संगोष्ठी के माध्यम से मीडिया के बदलते परिदृश्य और चुनौतियों के संबंध में विचार विमर्श किया गया। कार्यक्रम में पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री श्रीमती राधा सिंह एवं विधायक सिंगरौली श्री रामनिवास शाह भी मौजूद थे। मंत्री श्री विजयवर्गीय ने कहा कि लोकतंत्र के जरिये समाज में सभी को समान अधिकार मिले हैं। इस वजह से पत्रकारों के अधिकारों की भी सीमा है। उन्होंने कहा कि प्रिंट और इलेक्ट्रानिक

मीडिया के साथ सोशल मीडिया का भी विस्तार हुआ है। इस विस्तार में खबरों की जिम्मेदारी को लेकर समाज में खतरे भी बढ़े हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि पत्रकार स्वयं अपने मानक तैयार कर समाज में आदर्श प्रस्तुत करें। मंत्री श्री विजयवर्गीय ने कहा कि देश की आजादी के बाद नवगठित सरकारों ने देश में तुष्टिकरण को बढ़ाया है। इससे समाज में असमानता का माहौल निर्मित हुआ। वर्ष 2014 के बाद प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने देशहित में धारा 370 को समाप्त कर एक महत्वपूर्ण फैसला लिया। उन्होंने कहा कि संविधान के माध्यम से देश के प्रत्येक राज्य के नागरिकों को एक समान अधिकार दिये गये हैं। मंत्री श्री विजयवर्गीय ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में भारत ने सभी क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। इस वजह से दुनिया में भारत की साख मजबूत हुई है और भारत की आवाज को दुनिया पूरी गंभीरता से सुनती है। राज्य मंत्री श्रीमती राधा सिंह ने कहा कि क्षेत्रीय पत्रकारिता का अपना अलग महत्व है। क्षेत्रीय खबरों से ही राष्ट्रीय स्तर की खबरें बनती है। उन्होंने क्षेत्रीय पत्रकारों के लगातार प्रशिक्षण पर भी जोर दिया। कार्यक्रम को एनयूजे के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रासबिहारी, राष्ट्रीय महासचिव श्री प्रदीप तिवारी, एब्सोल्यूट ग्राम्य के डॉ. पंकज शुक्ला, जोनल कोऑर्डिनेटर एवं मीडिया इंचार्ज डॉ. बी.के. रीना, एसओआर सुप्रीम कोर्ट श्री अश्वनी दुबे ने भी संबोधित किया। संगोष्ठी में देशभर के 13 राज्यों के प्रतिनिधि शामिल हुए।

बुरहानपुर के बसाली गांव को पर्यटन स्थल के रूप में किया जा रहा विकसित

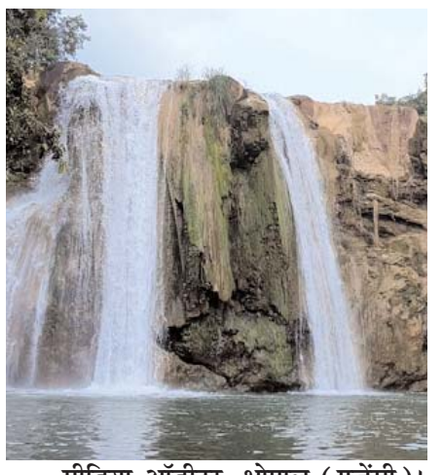

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। बुरहानपुर ब्लॉक के बसाली गांव के पास एक अत्यंत मनोरम प्राकृतिक झरना है, जो लोगों को सहज ही अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। लोग इस बरसाती झरने को ''बसाली झरना'' के नाम से जानते हैं। अनुपम प्राकृतिक सौंदर्य एवं बारिश से फैली हरियाली के बीच यह झरना इतना मनमोहक है कि पर्यटक खुद को यहाँ आने से रोक नहीं पाते। इस क्षेत्र की बढ़ रही लोकप्रियता को देखते हुए बसाली के इस झरने तक लोगों की सहजता से पहुँच बढ़ाने एवं पर्यटन विकास के लिये जनपद पंचायत बुरहानपुर द्वारा प्रधानमंत्री आदि आदर्श ग्राम योजना से एक प्रभावी कार्य-योजना तैयार की गई है। इसमें विकास कार्यों के लिये 60 लाख रूपये मंजूर किये गये हैं। केन्द्र सरकार द्वारा जनजातीय आबादी बहुल गांवों के विकास के लिये 'प्रधानमंत्री आदि आदर्श ग्राम योजना' चलाई जा रही है। इस योजना से बुरहानपुर जिले में ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिये भी कई प्रकार के विकास कार्य कराये जा रहे हैं। इससे ग्रामीणों की सुविधाओं में इजाफा तो हो ही रहा है, साथ ही पर्यटन को भी प्रोत्साहन मिल रहा है। योजना में स्वीकृत राशि से बसाली झरने के पास ही पर्यटकों के रूकने के लिए चार रहवासी कॉटेज बनाये जा रहे हैं। झरने तक पहुंच मार्ग की मरम्मत की जा रही है।

भोपाल स्टेशन पर बैगेज स्कैनर बना डमी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राजधानी के मुख्य स्टेशन यानी भोपाल स्टेशन पर लगातार असुविधाओं में बढ़ोतरी हो रही है। आलम यह है कि जहां एक तरफ प्लेटफॉर्म 4 व 5 पर जाने वाली लिफ्ट बंद पड़ी है, जिसके चलते यात्रियों को एक फुट ओवर ब्रिज से जाना पड़ रहा है। रविवार को भोपाल स्टेशन पर प्लेटफॉर्म 5 से आने जाने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी, जिसके चलते आने-जाने वाले यात्रियों को एफओबी का यूज करना पड़ा। इससे पहले भी लिफ्ट लगातार यात्रियों के लिए परेशानी का सबब बन चुकी है। जिसके चलते रेलवे ने लिफ्ट मेंटेनेंस कंपनी पर जुर्माना भी ठोका है, रेलवे का कहना है कि पिछले दो दिन से लिफ्ट बंद है, इसका कोई तकनीकी पार्ट खराब हुआ है। हमने नियमानुसार कंपनी पर जुर्माना लगाया है। प्लेटफॉर्म 4 व 5 पर रोजाना करीब 12 हजार से अधिक लोग आते-जाते हैं।

लिफ्ट बंद होने के चलते यहां बुजुर्गों को परेशानी हो रही है। इन दोनों प्लेटफॉर्म पर रोजाना 30 से अधिक ट्रेनें हॉल्ट लेती हैं। इसके अलावा नए एफओबी (फुट ओवर ब्रिज) पर बना ऐस्कलेटर भी बंद नजर आया, जिससे यात्री खुद ही उतरते नजर आए। रेलवे ने इस बारे में बताया कि ऐस्कलेटर ठीक कर दिया गया है। किसी यात्री द्वारा स्टॉप बटन दबाया गया था। दूसरी तरफ भोपाल स्टेशन पर यात्रियों को लगातार कैश निकालने को लेकर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इन दिनों यात्रियों को कैश निकालने के लिए 1 किमी दूर जाना पड़ रहा है। स्टेशन अधिकारियों की मानें, तो प्लेटफॉर्म नंबर एक पर स्टेशन परिसार में दो झरू थे, जिसमें से एक करीब साल भर से बंद है। बताया जा रहा है कि रेलवे की नई पॉलिसी के चलते यह बैंक एटीएम में कंपनियां भाग नहीं ले रही हैं। जब यहां कैश नहीं होता, तब यात्रियों को बाहर जाना होता है। बजरिया इलाके में मौजूद एटीएम करीब 1 किमी दूर 80 फीट रोड पर है। रेलवे की मानें, तो जल्द ही यहां के एटीएम के लिए भोपाल रेल मंडल निविदा निकालेगा। भोपाल स्टेशन पर लगा बैगेज स्कैनर भी डमी बनकर रह गया है। इसके नीचे कुत्ते सोते नजर आ रहे हैं। न तो यहां आरपीएफ के जवान तैनात हैं और न जीआरपी।

अतिक्रमण से मुक्त हुई बंजर जमीन को उपजाऊ कर बनाई हरी बगिया पोषण वाटिका

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अपने मन की बात कार्यक्रम में एक बार फिर मध्यप्रदेश में हुए अच्छे कार्यों का जिक्र किया। रविवार 29 सितम्बर को प्रसारित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने छतरपुर जिले की ग्राम पंचायत खौप की उन स्व-सहायता समूह की महिलाओं की प्रसंशा की, जिन्होंने प्रशासन द्वारा अतिक्रमण से मुक्त कराई गई 2 हैक्टेयर बंजर जमीन में फलदार ग्राफ्टेड 2300 पौधे लगाकर हरे-भरे फरूट फॉरेस्ट में तब्दील कर दिया। यह अनूठा कार्य ग्राम पंचायत खौप के स्व-सहायता समूह की 10 महिलाओं ने प्रशासन के सहयोग से कर दिखाया है। गांव की महिलाओं के इस बुलंद हौसले की तारीफ प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अपने कार्यक्रम मन की बात में की। इससे गांव की इन ग्रामीण महिलाओं का पूरे देश में नाम रौशन हुआ और वे अपने आप को गौरवान्वित भी महसूस कर रही हैं। नीति आयोग के डीसल्टिंग प्रोग्राम के अंतर्गत वर्ष 2022 में शुरू किये गये इस महती काम में चंदेलकालीन तालाब की मिट्टी खोद कर मनरेगा योजना से संचालित कार्य में मिट्टी का उपयोग पौधरोपण कार्य में किया गया। प्रशासन द्वारा अतिक्रमण से मुक्त कराई गई जमीन पर वाटिका तैयार करने समूह की महिलाओं को साथ लेकर पौधरोपण किया गया। साथ ही अटल भूजल योजना अंतर्गत सिंचाई के लिए ड्रिप एरिगेशन की सुचारू व्यवस्था भी की गई। इन पूरे प्रबंधों की देख-रेख समूह की 10 महिलाओं ने की। समूह की अध्यक्ष कौशल्या रजक, सचिव पार्वती रजक, सदस्य फूला रजक, जानकी रजक, ममता रायकवार, हल्की बाई रजक, भगवती कुशवाहा, रचना कुशवाहा, रामदेवी रजक एवं कुसुम रजक है।

समूह की अध्यक्ष श्रीमती शारदा धुर्वे बताती हैं कि वर्ष 2014 में मत्स्य विभाग द्वारा रयपुरा जलाशय का पट्टा समूह को 10 वर्ष के लिये दिया गया। हमारे समूह की महिलाओं ने मिलकर जलाशय के रख-रखाव के साथ मत्स्य उत्पादन भी प्रारंभ किया। वे बताती है कि शुरू में हम मछली की बिक्री के लिए अलग-अलग हाट बाजार में जाते थे, जिला प्रशासन डिंडौरी के सहयोग से दीदी फिश पार्लर का शुभारंभ इसी वर्ष गणतंत्र दिवस पर किया गया। जिससे हमारी आमदनी में वृद्धि हुई। अध्यक्ष ने बताया कि समूह से जुड़ी 12 दीदियाँ मत्स्य उत्पादन का कार्य कर दीदी पार्लर के माध्यम से मछली की बिक्री कर रही हैं। मत्स्य विभाग से प्राप्त बीजों का उपयोग कर 10 हैक्टेयर के जलाशय में मत्स्य उत्पादन के कार्य को बढ़ाया जा रहा है। मछली पालन के साथ जलाशय के पानी का उपयोग सिंचाई के लिए भी किया जाता है। जलाशय में रोहू, कतला, करचा, नरेनी जैसी मत्स्य प्रजातियों का उत्पादन जारी है।

झुग्गियों के बदले मिले फ्लैट में 21 प्रतिशत किराएदार, अब मालिकों को भेजेंगे नोटिस

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। हाउसिंग फॉर ऑल(एचएफए) के तहत शहर में बनाए गए 21 प्रतिशत फ्लैट्स में किराएदार रह रहे हैं। यह खुलासा नगर निगम की ओर से कराए गए सर्वे में हुआ है। निगम अमले ने बीते दिनों शहर के 5 प्रोजेक्ट भानपुर, कोकता, हिनोतिया आलम, मालीखेड़ी और राहुल नगर में झुग्गीवासियों और गैर झुग्गी कैटेगरी में दिए गए 3,054 फ्लैट का सर्वे किया था। इनमें से 639 यानी 21 प्रतिशत फ्लैट में किराएदार मिले। हाल ही में यह रिपोर्ट सबमिट हुई है। अब निगम की ओर से इन सभी फ्लैट मालिकों को नोटस जारी किए जा रहे हैं। हाउसिंग फॉल ऑल के तहत दिए जाने वाले फ्लैट झुग्गियों में या फिर किराए से रहने वाले लोगों को रियायती दरों पर दिए जाते हैं। लेकिन शर्त यह है कि इन्हें किराए पर नहीं दिया जा सकता है। ऐसा होने पर आवंटन निरस्त हो सकता है। लेकिन, कई वर्षों से हजारों फ्लैट किराए से दिए जा रहे हैं। लेकिन अब तक एक बार भी आवंटन निरस्त नहीं किया गया है। 5 प्रोजेक्ट में झुग्गीवासियों को दिए गए 1293 फ्लैट में 267 में किराएदार मिले हैं। जबकि, 1761 ऐसे लोगों को फ्लैट दिए गए थे जो खुद किराए पर रहते थे। इनमें 372 ने अपने फ्लैट किराए पर दे दिए। शहर में ऐसे 13 प्रोजेक्ट और = शहर में पीएम आवास और जेएनएनयूआरएम समेत एचएफए योजना के तहत 18 प्रोजेक्ट हैं। इनमें 15 हजार फ्लैट हैं। पांच प्रोजेक्ट का सर्वे निगम ने कर लिया है। बाकी के 13 प्रोजेक्ट का सर्वे होना है। यहां भी बड़ी संख्या में फ्लैट किराए पर दिए गए हैं।

जनसहयोग और श्रमदान से जल सुरक्षा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। अमृत-धारा दिवस पर ग्रामवासियों ने जल स्रोत से लेकर पंप हाउस और गांव के हर मोहल्ले तक की जल आपूर्ति प्रणाली का निरीक्षण किया। जल स्रोतों को साफ करने, जलभराव की समस्या को ठीक करने और जल गुणवत्ता का परीक्षण करने के लिए फील्ड टेस्ट किट (स्न्ञ्जय) का उपयोग किया गया। गांव के युवा, विशेषकर स्वयं सहायता समूह के सदस्यों और स्थानीय तकनीशियनों ने पंप हाउस में जल टंकी की सफाई, विद्युत उपकरणों की जांच और पाइपलाइनों के रखरखाव में महत्वपूर्ण योगदान दिया। साथ ही, पाइपलाइनों के लीक होने की समस्या का समाधान किया गया और जल आपूर्ति के लिए आवश्यक मरम्मत की गई। जनसहयोग से जल स्रोतों के आसपास सफाई अभियान

चलाया गया जिससे जल आपूर्ति प्रणाली को सुरक्षित रखा जा सके और जलजनित बीमारियों से बचाव हो सके। इस पूरे अभियान में महिलाओं और युवाओं की सक्रिय भागीदारी सराहनीय रही। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य केवल जल आपूर्ति प्रणालियों की मरम्मत करना नहीं था, बल्कि ग्रामीणों में जल संरक्षण और उसके महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाना भी था। अभियान के दौरान पंचायत भवन में आयोजित एक जागरूकता कार्यक्रम में जल संरक्षण, स्वच्छता और जल की गुणवत्ता पर चर्चा की गई। गांव के युवाओं और महिलाओं ने इस कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और जल संरक्षण के महत्व को समझा। ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति के सदस्यों ने जल स्रोतों और पंप हाउस के रखरखाव की नियमित योजनाओं पर जोर दिया। जिससे भविष्य में किसी भी समस्या का सामना न करना पड़े। अमृत-धारा दिवस पर किए गए निरीक्षण और मरम्मत कार्यों का पूरा विवरण दर्ज किया गया, अगली बार जब यह अभियान दोबारा आयोजित हो, तब तक गांव के जल आपूर्ति ढांचे की स्थिति और भी बेहतर हो सके। इस दिन की सभी गतिविधियों का रजिस्टर तैयार किया गया, जिसमें पाइपलाइनों की स्थिति, जल टंकी की सफाई और मरम्मत के सभी कार्यों का दस्तावेजीकरण किया गया। अगले महीने फिर से इस तरह के निरीक्षण की योजना बनाई गई है। इससे जल आपूर्ति प्रणाली की निरंतरता सुनिश्चित हो सके। ग्रामीणों को नियमित रूप से जलकर भुगतान करने के लिए भी प्रेरित किया गया। जिससे जल आपूर्ति का संचालन सुचारू रूप से चलता रहे।

मिशन शक्ति के तहत अभिनव पहल - हब फॉर एम्पॉवरमेंट ऑफ वूमन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में महिला सशक्तिकरण के लिए कई महत्वपूर्ण क़दम उठाए गए हैं। महिला बाल विकास विभाग द्वारा मिशन शक्ति की उप योजना सामर्थ्य अंतर्गत हब फॉर एम्पॉवरमेंट ऑफ वूमन संचालित किए जा रहे हैं। इसका उद्देश्य महिलाओं को सशक्तिकरण और विकास के लिए संस्थागत व्यवस्थाओं से जोड़ना है। योजना के तहत महिलाओं को दी जाने वाली सुविधाओं के बारे में ज़रूरी जानकारी दी जाती है। साथ ही महिलाओं को सरकारी योजनाओं और सुविधाओं का लाभ लेने में भी मदद और कामकाजी महिलाओं के लिए सुरक्षा भी प्रदान करती है। महिलाओं को स्वास्थ्य, शिक्षा, करियर और व्यावसायिक परामर्श और प्रशिक्षण से जोड़ा जाता है। महिलाओं को वित्तीय समावेश और उद्यमिता के क्षेत्र में भी प्रोत्साहित किया जा रहा है।

राज्य स्तर पर हब फॉर एम्पॉवरमेंट ऑफ़ वूमन की स्थापना की गई है इसमें एक राज्य मिशन समन्वयक, दो जेंडर विशेषज्ञ, दो अनुसंधान एवं प्रशिक्षण विशेषज्ञ, एक लेखा सहायक, एक कार्यालय सहायक और एक मल्टी टास्किंग स्टाफ़ के पदों का सृजन किया गया है। प्रदेश के 52 ज़िलों में जिला स्तरीय हब फॉर एम्पॉवरमेंट ऑफ़ वूमन की स्थापना की गई है। कुल 8 पद प्रति जिला स्वीकृत की गई है जिसकी पूर्ति की कार्रवाई जारी है। राज्य स्तरीय हब फ़ॉर एम्पॉवरमेंट ऑफ़ वूमन नोडल एजेंसी के रूप में कार्य कर मिशन शक्ति योजनाओं के क्रियान्वयन की प्रगति के बारे में राष्ट्रीय स्तर पर जानकारी देगी। एसएचईडब्ल्यू सूचना प्रसार और योजना डेटा के संकलन के लिए राज्य में नोडल के रूप में कार्य करेगी। इसके अतिरिक्त मिशन शक्ति के तहत गतिविधियों के प्रभावी क्रियान्वयन पर जिलाधिकारियों, एचईडब्ल्यू कर्मचारियों को प्रशिक्षण, महिला केंद्रित योजनाओं को लागू करने वाले विभागों के साथ समन्वय कर राज्य और जिला स्तर पर जागरूकता शिविर और नामांकन अभियोजन आयोजित कराने का कार्य करेगी। एसएचईडब्ल्यू द्वारा जिला स्तर पर बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ के तहत गतिविधियों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना और जिला स्तर पर जागरूकता अभियानों के प्रसार के लिये ढ्ढश्वष्ट सामग्री तैयार करने का कार्य शामिल है। जिला स्तरीय हब फॉर एम्पॉवरमेंट ऑफ़ वूमन महिलाओं को प्रभावित करने वाले मुद्दों के समाधान हेतु सिंगल विंडो सोल्यूशन के रूप में कार्य करेगा। इसके अतिरिक्त स्वास्थ्य, शिक्षा, माइक्रोफाइनेंस, आजीविका आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में सर्वोत्तम प्रथाओं की पहचान एवं दस्तावेजीकरण कर प्रसार करेगा।

डीएचईडब्ल्यू द्वारा बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के बारे में जागरूकता पैदा करना, विभिन्न विभागों द्वारा क्रियान्वित महिला केंद्रित योजनाओं तक पहुँच के लिये एकीकृत शिविर का आयोजन तथा महिलाओं के लिए योजनाओं और सुविधाओं की जानकारी का ज़मीनी स्तर पर अभियान, नुक्कड़ नाटकों, प्रभात फेरी, स्कूलों/कॉलेजों, महिला समूह और सामुदायिक बैठक के द्वारा प्रचार-प्रसार करना है।

समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक आयोजित

समय-सीमा पत्रों पर निर्धारित समयावधि में कार्यवाही पूर्ण करें-सीईओ जिला पंचायत

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। समय-सीमा पत्रों की समीक्षा करते हुए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अंशुमान राज ने समय-सीमा पत्रों पर निर्धारित समयावधि में कार्यवाही पूर्ण करने तथा की गई कार्यवाही से संबंधित वरिष्ठ कार्यालय को अवगत कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होने कहा कि शासन के प्राप्त अति महत्वपूर्ण पत्रों पर समय-सीमा अंकित किया जाता है।

उनमें प्राथमिकता से कार्यवाही किया जाना आवश्यक है। उन्होने निर्देशित किया है कि विभाग प्रमुख समय-सीमा पत्रों, मुख्यमंत्री महोदय के कार्यालय से प्राप्त पत्रों, शासन के प्राप्त पत्रों, जन आकांक्षा तथा जनसुनवाई में प्राप्त समय-सीमा पत्रों का अवलोकन कर लें। आगामी एक सप्ताह में कार्यवाही पूर्ण कर संबंधित पोर्टल में जानकारी अद्यतन करें। जिन पत्रों में कार्यवाही पूर्ण हो गई है, उन्हें विलोपित कराना सुनिश्चित करें।

सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों के निराकरण की समीक्षा करते हुए सीईओ जिला पंचायत ने निर्देशित किया है कि शिकायतों का निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करायें। सभी विभाग 10 अक्टूबर तक शिकायतों के निराकरण में ग्रेड ए में आने का प्रयास करें। उन्होने कहा कि अन अटेन्डेड तथा निम्न गुणवत्ता से बंद शिकायतों की संख्या न्यूनतम होनी चाहिए। लोक सेवा गारंटी अधिनियम अंतर्गत चिन्हित सेवाओं के समय-बाध्य प्रकरणों की समीक्षा करते हुए सीईओ जिला पंचायत ने आगामी एक सप्ताह में सभी प्रकरणों में सेवा प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। अन्यथा की स्थिति में संबंधित अधिकारी कर्मचारी को नियमानुसार जुर्माने से दण्डित किया जावेगा।

सीईओ जिला पंचायत ने कहा कि स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम का समापन 02 अक्टूबर 2024 को प्रस्तावित है। इस दिन ग्राम पंचायत स्तर, जनपद पंचायत स्तर तथा नगरीय निकायों में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जावेगा। सभी संबंधित अधिकारी उक्त के संबंध में आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित कर लें।

बैठक में अपर कलेक्टर राजेश शाही, उपखण्ड अधिकारी गोपद बनास नीलेश शर्मा, सिहावल एसपी मिश्रा सहित सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहें।

10 ग्राम स्मैक के साथ आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। थाना प्रभारी बहरी को मुखबिर से सूचना मिली कि संजय उर्फ छोटे दीक्षित निवासी डढिया परसवार का बहरी अमिलिया मार्ग पर बंद पडे क्रेशर के पास अवैध रूप से स्मैक बिक्री करने हेतु अपने पास रखा है। सूचना पर थाना प्रभारी बहरी द्वारा एक टीम गठित कर मौके पर भेजी, जहा टीम द्वारा घेराबंदी कर एक संदेही को पकड़ा गया जिससे उसका नाम पता पूछा गया तो अपना नाम संजय उर्फ छोटे दीक्षित पिता स्व. सुखराम दीक्षित उम्र 31 वर्ष निवासी ग्राम डढिया थाना बहरी जिला सीधी का होना बताया। तलासी के दौरान संदेही के लोवर से एक मोबाईल फोन एवं जहा पर संदेही बैठा था वही बगल में एक पालीथीन मिली। जिसको खोलकर देखा गया तो उसमें मटमैले भूरे रंग का स्मैक जैसा पदार्थ पाया गया। जिसका तौल 10 ग्राम 23 मिलीग्राम रही। जिसकी कीमती 30700 रुपये पाया गया। जिसे जप्त कर एनडीपीएस की धारा 8/21, 22 के तहत मामला पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

मासिक अपराध गोष्ठी का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। सोमवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय स्थित सभागार में कानून व्यवस्था की स्थिति को जानने के लिये पुलिस अधीक्षक सीधी डॉ. रविन्द्र वर्मा द्वारा मासिक अपराध गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में उप पुलिस अधीक्षक एवं समस्त थाना एवं चौकी के प्रभारी तथा पुलिस अधीक्षक कार्यालय का स्टाफ मौजूद रहा। बैठक के प्रारंभ में पुलिस अधीक्षक द्वारा आगामी माँह में आने वाले त्यौहार नवरात्रि, दशहरा, दीपावली आदि के दौरान सजग होकर क्षेत्र में भ्रमण कर पुलिस की उपस्थिति सहित त्यौहारों को शांति पूर्ण तरीके से संपन्न कराने हेतु निर्देशित किया जाकर मासिक अपराधों का तुलनात्मक थानावार अवलोकन किया गया एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिये जाकर अधिकतम एवं त्वरित अपराध निकाल हेतु निर्देशित किया गया साथ ही आपराधिक तत्वों के विरुद्ध कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किये साथ ही कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विशेष कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया।

स्वस्थ बालक-बालिका प्रतिस्पर्धा के साथ आगनवाड़ी केंद्र मलपार में राष्ट्रीय पोषण माह कार्यक्रम में हुआ समापन

मीडिया ऑडीटर, रीवा निप्र। देश भर में 1 से 30 सितंबर तक चल रहे राष्ट्रीय पोषण माह अभियान का समापन हुआ। जिसमे रीवा जिला के त्योंथर तहसील के विभिन्न आगनवाड़ी केंद्रों में उत्साह देखा गया। इसी क्रम में त्योंथर तहसील के आगनवाडी केंद्र मलपार में स्वस्थ बालक बालिका प्रतिस्पर्धा का कार्यक्रम का हुआ आयोजन किया गया। इस दौरान परियोजना अधिकारी दीपक मिश्रा पर्यवेक्षक पूजा मिश्रा के नेतृत्व में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता ममता शुक्ला के द्वारा उपस्थित लोगों को विशेष रूप से जागरूक किया गया। साफ-सफाई सहित अन्य विषयों पर चर्चा की गई। आंगनबाड़ी केंद्र मलपार में समय-समय पर गोद भराई अन्य प्रश्न सहित अन्य कार्यक्रम किए जाते हैं वहीं स्वस्थ बालक बालिका प्रति स्पर्धा में स्वस्थ बालिका वर्ग में दीप्ति शुक्ला और बालक वर्ग में रियांश, शिव को समाजसेवी उमा शुक्ला के द्वारा सम्मानित किया गया साथ ही हर कार्यक्रम वृक्ष लगाने की शपथ लगाने के साथ एक पेड़ मां के नाम वृक्षा रोपण किया गया इस दौरान ग्राम पंचायत के वरिष्ठ नागरिक ,सहित किशोरी बालिका भी रही मौजूद।

सरपंच पति ने भाई के साथ मिलकर युवक को पीटा

पंचायत के कामों में भ्रष्टाचार की शिकायत की थी, जांच करने पहुंचे थे अफसर

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली निप्र। सिंगरौली में एक युवक के साथ लाठी-डंडे से मारपीट का वीडियो सामने आया है। वीडियो रविवार शाम का बताया जा रहा है। बताया जा रहा है कि बरगवां थाना क्षेत्र के दादर ग्राम पंचायत के कामों में हुए भ्रष्टाचार की शिकायत करने पर सरपंच पति ने पिता और अपने भाइयों के साथ मिलकर युवक से मारपीट की।

पीड़ित भागीरथी विश्वकर्मा ने बताया कि ग्राम पंचायत में हुए निर्माण कार्यों में अनियमितताओं की शिकायत उसने जनपद सीईओ सहित अलग-अलग अधिकारियों से की थी। रविवार को जनपद चितरंगी से अधिकारी जांच करने आए थे। इसी बात से नाराज होकर सरपंच सुरतनिया देवी के पति मनोज प्रजापति ने पिता और भाइयों के साथ मिलकर पिटाई की।

आरोप है कि उन्होंने पीड़ित को फर्जी धाराओं में फंसाने की धमकी भी दी है। बरगवां थाना प्रभारी शिवपूजन मिश्रा ने बताया कि मारपीट की शिकायत उनके पास में आई है। मामला दर्ज कर लिया गया है और कार्रवाई की जा रही है।

सरपंच पति और देवरों के खिलाफ केस दर्ज: पीड़ित भागीरथी विश्कर्मा ने रविवार को सरपंच पति मनोज प्रजापति, ससुर हंस लाल प्रजापति, देवर प्रदीप प्रजापति और स्वयंवर प्रजापति के खिलाफ थाने में लिखित शिकायत दर्ज करवाई है। पुलिस ने मारपीट की सामान्य धाराओं पर केस दर्ज किया है।

टीम जांच करने पहुंची तो भड़का सरपंच पति: पीड़ित ने बताया कि उसने ग्राम पंचायत में तालाब निर्माण, नाली निर्माण, पशुओं के लिए बाड़ा निर्माण सहित सात बिंदुओं पर जनपद सीईओ के यहां शिकायत की थी। जिसकी जांच करने के लिए रविवार को जनपद पंचायत की एक टीम गांव पहुंची थी। इसी को लेकर सरपंच का परिवार बौखला गया और सारा विवाद हुआ।

इस मामले में चितरंगी जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ऋषि नारायण सिंह का कहना है कि रविवार को ही जांच टीम हमने ग्राम पंचायत में भेजी थी, लेकिन अभी तक मेरे पास में जांच रिपोर्ट नहीं आई है। रिपोर्ट आने की बात ही कुछ कहा जा सकता है।

सरपंच पति बोला-जर्जर कुआ बंद करने पर गाली गलौज की: इस मामले पर सरपंच के पति मनोज प्रजापति ने बताया कि भागीरथी विश्वकर्मा के घर के पास एक कुआं जर्जर हालत में है। यह कुआं सरकारी जमीन पर है। कुएं को बंद करने के लिए जनपद सीओ के निर्देश पर मैं गया था। इस दौरान भागीरथी ने विवाद और गाली गलौज शुरू कर दिया। सम्मान के खिलाफ बात बर्दाश्त नहीं हुई और विवाद हो गया।

भाजपा की जिला स्तरीय सदस्यता समीक्षा बैठक संपन्न

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। भारतीय जनता पार्टी की जिला स्तरीय सदस्यता अभियान की समीक्षा बैठक मध्य प्रदेश भाजपा के प्रदेश मंत्री एवं जिला संगठन प्रभारी राजेश पाण्डेय के मुख्य आतिथ्य एवं भाजपा जिला अध्यक्ष देव कुमार सिंह चौहान की अध्यक्षता और सिहावल विधायक विश्वामित्र पाठक की विशिष्ट उपस्थिति में संपन्न हुई। जिला स्तरीय समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए मध्य प्रदेश भाजपा के प्रदेश मंत्री एवं जिले के संगठन प्रभारी राजेश पाण्डेय ने कहा कि जिले के प्रत्येक कार्यकर्ता बधाई के पात्र हैं क्योंकि लोकसभा स्तर पर सीधी लोकसभा प्रदेश के सातवें स्थान पर और जिला स्तर पर सदस्यता में सीधी जिला अंडर 20 में शामिल है। यह सब भारतीय जनता पार्टी के कर्मठ और जांबाज कार्यकर्ताओं के परिश्रम का प्रतिफल है।

आगामी दो अक्टूबर से लेकर 15 अक्टूबर तक एक बार पुनः सदस्यता अभियान प्रारंभ होगा। इस अभियान में एक पखवाड़े का समय पार्टी के सभी स्तर के पदाधिकारी पूर्ण समर्पण भाव से शत प्रतिशत सदस्यता लक्ष्य अर्जित करने के लिए संकल्पित होकर जुट जाएं। इस दौरान जिला संगठन प्रभारी श्री पाण्डेय ने सभी मोर्चा और मंडलों के पदाधिकारी से व्यक्तिगत सदस्यता लक्ष्य और सदस्यता पर व्यापक लेखा-जोखा लिया। सिहावल विधायक विश्वामित्र पाठक ने जिला स्तरीय समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि सिहावल विधानसभा में हमने सदस्यता का 60 लक्ष्य प्राप्त किया है। इसके लिए सभी कार्यकर्ता बधाई के पात्र हैं। आगामी आने वाले दिनों में हम सिहावल विधानसभा को लक्ष्य से और ऊपर तक लेकर निश्चित रूप से ले जाने में सफल होंगे। जनपद अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह परिहार ने भी शानदार सफलता सदस्यता लक्ष्य जीत करने के लिए सभी कार्यकर्ताओं को बधाई दी ।

फांसी के फंदे पर झूला पंच

छिरहटी पंचायत के वार्ड 9 का मामला, आत्महत्या का कारण अभी अज्ञात

मीडिया ऑडीटर, शहडोल निप्र। सोहागपुर जनपद के छिरहटी पंचायत के वार्ड नंबर 9 के पंच ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। सोमवार की सुबह पंच की मां ने जब कमरे का दरवाजा खोला तो पंच फांसी के फंदे में लटक रहा था। परिजन की सूचना पर पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कर मामले में मर्ग कायम किया है।

खैरहा थाना क्षेत्र के छिरहटी पंचायत के वार्ड नंबर 9 के पंच सुनील कोल पिता स्व. रामलखन (23) वर्ष ने अज्ञात कारणों से घर में फांसी लगा ली है। आत्महत्या का कारण अभी अज्ञात है। मृतक की मां जया कोल ने बताया कि सुबह जब वह उठी तो घर का बाहरी दरवाजा खुला हुआ था।

मोबाइल से खुलेगा मौत का राज: खैरहा थाना प्रभारी दिलीप सिंह ने बताया कि पंच सुनील कोल ने अपने घर के कमरे में फांसी लगाई है। कमरे में ही सुनील का मोबाइल मिला है। पुलिस उस मोबाइल से मौत का राज तलाशने के प्रयास में जुटी है। शुरुआती जांच में मोबाइल की स्थिति संदिग्ध है।

पत्नी मायके में रह रही थी: मृतक सुनील कोल की पत्नी पिछले कुछ दिनों से अपने मायके में रह रही थी। सोमवार की रात अंतिम बार सुनील कोल की किससे और क्या बात हुई है पुलिस इस एंगल में भी जांच कर रही है। घटना के बाद उसकी पत्नी को सूचना दी गई जिसके बाद वह अपने ससुराल पहुंची।

मामले में जांच जारी है: खैरहा थाना प्रभारी दिलीप सिंह ने बताया कि फांसी लगाने से युवक की मौत हुई है। शव को पुलिस ने अपने कब्जे में लिया है। अस्पताल पीएम के लिए शव लाया गया। आत्महत्या का कारण अभी अज्ञात है,मामले पर मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।

अवैध रेत से भरा एक ट्रैक्टर पकड़ाया

दर्जनों चालक ट्रैक्टर लेकर मौके से फरार, खनिज विभाग को सौंपा

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर निप्र। सिविल लाइन थाना क्षेत्र के सटई रोड पर सोमवार की सुबह सीएसपी ने अवैध रेत परिवहन कर रहे ट्रैक्टरों पर कार्रवाई की। रेत माफियाओं को कार्यवाही की जानकारी मिलते ही वो दर्जनों ट्रैक्टर लेकर मौके से रफूचक्कर हो गए। पुलिस ने सिर्फ एक रेत से भरा हुआ बिना नंबर का ट्रैक्टर पकड़ा और थाने में रखवा दिया।

उसके बाद खनिज विभाग को सूचना देकर सौंप दिया है। वही खनिज विभाग की टीम ने सिविल लाइन थाने में पहुंचकर अवैध रेत से भरे हुए ट्रैक्टर पर कार्रवाई शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, शहर की सटई रोड पर सोमवार की सुबह 10 बजे सीएसपी अमन मिश्रा ने अवैध रेत परिवहन कर रहे ट्रैक्टरों पर छापेमार कार्रवाई की। हालांकि, पुलिस की छापेमार कार्रवाई की जानकारी रेत माफियाओं को लग गई और अवैध रेत से भरे दर्जनों ट्रैक्टर लेकर मौके से भाग गए। पकड़ाया हुआ एक महिंद्रा ट्रैक्टर सटई रोड निवासी विशाल मिश्रा का बताया जा रहा है।

सीएसपी अमन मिश्रा ने बताया कि अवैध रेत परिवाहन करने की जानकारी मिली थी। कार्यवाही करते हुए एक ट्रैक्टर को सटई रोड से जब्त कर खनिज विभाग को सौंप दिया है। जिस पर खनिज की कार्रवाई की जा रही है। सहायक खनिज अधिकारी रमाकांत मिश्रा ने बताया कि पुलिस ने रेत से भरा हुआ एक महिंद्रा को जब्त किया था। जिस पर कार्रवाई की जा रही है।

केन नदी में गुमशुदा महिला की तलाश

4 दिनों से है लापता, एसडीआरएफ टीम ने नदी में 30 किलोमीटर तक खंगाला

मीडिया ऑडीटर, पन्ना निप्र। पन्ना के मड़ला थाना क्षेत्र अंतर्गत केन नदी में देवेंद्रनगर निवासी कल्पना लखेरा के छलांग लगाने का मामला सामने आया है। परिजनों ने सोमवार को थाने पहुंचकर महिला की तलाश के लिए मदद मांगी। जिसके बाद एसडीएआरएफ की टीम को बुलवाकर रेस्क्यू शुरू किया गया।

टीम प्रभारी सत्य पाल जैन ने बताया कि करीब 30 किलोमीटर तक नदी में तलाश करने के बाद भी महिला का कुछ पता नहीं चला। वहीं उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट मऊ रानीपुर थाने में पहले से दर्ज है।

3-4 दिन पहले निकली थी, अब तक है गुमशुदा, जानिए पूरा मामला: जानकारी के अनुसार, कल्पना लखेरा रानीपुर में अपनी बहन के पास रह रही थी। जो वहां से 3-4 दिन पहले निकली थी। लेकिन अपने ससुराल देवेंद्रनगर नहीं पहुंची। जिसके बाद सोमवार को परिजनों ने मड़ला थाना पहुंचकर उसके केन नदी में कूद जाने की आशंका जाहिर की हैं। वहीं मड़ला थाना प्रभारी अवधेश प्रताप सिंह ने बताया कि किसी ने महिला को नदी में कूदते नहीं देखा है। परिजनों ने सिर्फ आशंका जताई है।जिसके आधार पर तलाश की जा रही है।

बिजुरी में मिला महिला का शव, 20 सितंबर से लापता थी महिला, पुलिस जांच में जुटी

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर निप्र। जिले के बिजुरी थाना का अंतर्गत एक महिला का शव मिला है। शव दो से तीन दिन पुराना बताया जा रहा है। बिजुरी पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच कर रही है। बिजुरी थाना प्रभारी विकास सिंह ने बताया माइनस गलैया टोला वार्ड 6 के पास एक महिला का शव मिला है। शव दो से तीन दिन पुराना बताया जा रहा है। शव की पहचान सरोज उर्फ मुन्नी कोल पति स्वर्गीय प्रदीप कोल निवासी गलैया टोला के रूप में हुई है। परिजनों ने बताया कि महिला 20 सितंबर से ही लापता थी। जिसकी तलाश कर रहे थे। सोमवार सुबह उसका शव मिला है। फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए बिजुरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाकर मामले की जांच कर रही है।

एनएसयूआई ने किया कलेक्ट्रेट का घेराव

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। अखिल भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन एनएसयूआई की जिला इकाई द्वारा छात्र हितों तथा स्थानीय मुद्दों को लेकर प्रदेश महासचिव एवं सीधी जिला प्रभारी शिवांजय सिंह के नेतृत्व में जिला कलेक्ट्रेट का घेराव का मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया। उक्त ज्ञापन के माध्यम से संगठन द्वारा विभिन्न मांगे रखी गई है।

उपस्थित छात्र समूह को संबोधित करते हुए प्रदेश महासचिव शिवांजय सिंह ने कहा कि शासन.प्रशासन द्वारा लगातार शैक्षणिक व्यवस्था को कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है। भारत के भविष्य कहें जाने वाले छात्र.छात्राओं को योग्य बनाने की बजाय गैर जिम्मेदाराना तरीके से शिक्षा नीति में बदलाव कर परेशान किया जा रहा है।

हाल ही में प्रदेश के कई महाविद्यालयों में देखा जा रहा है कि छात्रों का उपयोग एबीवीपी द्वारा भाजपा की सदस्यता अभियान को बनाए रखने के लिए किया जा रहा है। महाविद्यालय के कई प्रोफेसर एवं असिस्टेंट प्रोफेसर एबीवीपी की सदस्यता ले चुके हैं, तथा छात्र.छात्राओं को पढ़ाने की बजाय उनसे अपने राजनीतिक स्वार्थ की पूर्ति करते हैं।

यह बेहद शर्मनाक बात है कि जिला मुख्यालय स्थित पीएम श्री महाविद्यालय के नाम से जाना जाने वाला जिले का सबसे बड़ा महाविद्यालय के परिसर में कई तरह के नशीले पदार्थ बेच एवं खरीदे तथा परिसर में ही उपयोग किए जाते हैं। यह सब जानते हुए भी ना पुलिस प्रशासन द्वारा न कॉलेज प्रबंधन द्वारा और ना ही जिला प्रशासन द्वारा ना ही किसी जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधि द्वारा किसी भी तरह की कार्यवाही नहीं की जा रही है।

गौ माता को महाराष्ट्र का राज्य माता का मिला दर्जा : उदय कमल मिश्र

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। महाराष्ट्र सरकार ने 30 सितंबर को गौ वंश के संरक्षण संवर्धन के संबंध में एक प्रभावी आदेश जारी करके गौ माता को राज्य माता घोषित किया है। इस संबंध में गौ वंश प्रेमी अधिवक्ता उदय कमल मिश्र ने कहा है कि महाराष्ट्र सरकार ने आदेश में कहा है कि देश में लंबे समय से गौ माता को राष्ट्र माता घोषित करने का आंदोलन चलाया जा रहा है। गौ माता को राज्य माता का दर्जा देने की बात ऐसे दौर में सामने आई जब आए दिन गोकशी और गौ तस्करी के मामले आ रहें हैं। मिश्र ने कहा है कि महाराष्ट्र सरकार ने गौ माता को राज्य माता का दर्जा देकर गौ वंश के संरक्षण संवर्धन के लिए भगीरथ प्रयास किया है। उन्होंने मध्यप्रदेश सरकार के सहित सभी राज्य गौ माता को राज्य माता का दर्जा देने का आग्रह किया है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रीवा (म.प्र.)

क्रमांक 3243/न.पा.नि./राजस्व/2024-25 रीवा, दिनांक 17/09/2024

अचल सम्पति नामांतरण विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पूर्व नगर सुधार न्यास रीवा की योजना क्रमांक-8 इन्दिरा नगर रीवा जो नगर पालिक निगम रीवा के स्वामित्व में है, में स्थित एम.आई.जी. भवन क्रमांक 1/16सी/6 क्षेत्रफल 1212.50 वर्गफिट श्री सुरेन्द्र सिंह ठाकुर पिता श्री हिम्मत सिंह को 30 वर्षीय लीज पर आवंटित है, श्री सुरेन्द्र सिंह ठाकुर पिता श्री हिम्मत सिंह उक्त भवन का श्री आदित्य प्रताप सिंह पिता श्री आर.पी. सिंह निवासी बाल भारती स्कूल के पीछे उर्रहट रीवा (म.प्र.) के नाम नामान्तरण किये जाने हेतु दिनांक 31.07.2024 को आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त एम.आई.जी. भवन क्रमांक 1/16सी/6 के नामांतरण में किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो, तो समाचार पत्रों में इस विज्ञप्ति के प्रकाशन के 15 दिवस की अवधि तक कार्यालय नगर पालिक निगम रीवा में प्रमाणित अभिलेखों के साथ उपस्थित होकर लिखित में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित समयावधि के पश्चात कोई आवेदन/आपत्ति न तो ग्रहण की जावेगी और न ही मान्य की जावेगी। तत्पश्चात आवेदक श्री सुरेन्द्र सिंह ठाकुर पिता श्री हिम्मत सिंह निवासी इन्दिरा नगर रीवा (म.प्र.) के आवेदन अनुसार एम.आई.जी. भवन क्रमांक 1/16सी/6 का नामांतरण श्री आदित्य प्रताप सिंह पिता श्री आर.पी. सिंह निवासी बाल भारती स्कूल के पीछे उर्रहट रीवा (म.प्र.) के नाम करने की कार्यवाही की जावेगी।

उपायुक्त (राजस्व)

नगर पालिक निगम रीवा (म.प्र.)

विचार

अब कोई महात्मा गांधी नहीं हो सकता...!

लोग महात्मा हो सकते हैं, गांधी भी हो सकते हैं लेकिन महात्मा गांधी नहीं हो सकते। भारत के महात्मा गांधी एक थे, एक हैं और एक ही रहेंगे। आज बापू को हमसे छीने हुए भले ही 76 वर्ष हो गए हैं, लेकिन हमेशा ऐसा लगता है कि जैसे कल की ही बात हो। लोग महात्मा हो सकते हैं, गांधी भी हो सकते हैं लेकिन महात्मा गांधी नहीं हो सकते। भारत के महात्मा गांधी एक थे, एक हैं और एक ही रहेंगे। आज बापू को हमसे छीने हुए भले ही 76 वर्ष हो गए हैं, लेकिन हमेशा ऐसा लगता है कि जैसे कल की ही बात हो। 30 जनवरी, 1948 को नाथूराम गोडसे ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की तीन गोलियां मारकर हत्या जरूर कर दी लेकिन उनके विचारों और प्रेरणा की हत्या हो ही नहीं सकती। बापू को सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलने के लिए याद किया जाता है। उनकी प्रेरणाएं- कि हम वर्तमान में क्या करते हैं; भीड़ में खड़ा होना आसान है लेकिन अकेले खड़े होने की हिम्मत होनी चाहिए; बिना विनम्रता की सेवा स्वार्थ और अहंकार है; पाप से घृणा करो, पापी से प्रेम करो; वह बदलाव बनो जैसा खुद बनना चाहते हो; इंसान के रूप में सबसे बड़ी क्षमता दुनिया को बदलने की नहीं, खुद को बदलने की हो; मानवता की महानता मनुष्य होने में नहीं, बल्कि मनुष्य दिखने में है; किसी को भी अपने गंदे पैरों से अपने दिमाग में नहीं चलने दें; कमजोर कभी माफ नहीं कर सकते जबकि क्षमा ताकतवर की विशेषता है। गांधी जी चेतना का चिंतन थे और चिंतक की चिंता। वे मानते थे कि जिस देश या समाज के पास चिंतन और चेतना नहीं, वह ज्ञान और सेवा का देश या समाज बन ही नहीं सकता। यही संयम उनकी साधना थी, तो नियम उनकी नैतिकता। दोनों उनके लोकाचार थे। सबको पता है कि अहिंसा और शांतिपूर्ण तरीकों के माध्यम से भारत के स्वतंत्रता संग्राम में सबसे प्रमुख भूमिका निभाने वाले महात्मा गांधी सदा प्रासंगिक थे, हैं और रहेंगे। काल के क्रूर हाथों के चलते वह असमय हमारे बीच से चले गए, लेकिन उनके विचार जस के तस तरोताजा हैं और सबके मनन्मस्तिष्क में हैं। वह गांधीवादी विचार ही है, जिस पर चलकर लाखों युवाओं ने अपने जीवन का मार्ग और जीने का तरीका बदला है। निश्चित रूप से यह गांधी जी ही सोच सकते थे कि ऐसे जिएं जैसे कि कल ही मरना है। ऐसा सीखें, जिनसे आपको हमेशा जिन्दा रहना है। हाड़-मांस के इस पुतले की कैसी निराली सोच थी कि डर शरीर की बीमारी नहीं हो, क्योंकि यह आत्मा को मारता है, इसलिए निडर रहें। विश्वास पर उन्हें अटूट भरोसा था, तभी तो वह कहते थे कि विश्वास करना एक गुण है, वहीं अविश्वास दुर्बलता की जननी है। उनकी दार्शनिक सोच आज भी सभी के लिए अनुकरणीय है। उनका मानना रहा कि जो समय बचाते हैं, वे धन बचाते हैं और बचाया हुआ धन, कमाए हुए धन के बराबर होता है। कैसी गूढ़ सोच थी कि आंख के बदले आंख पूरे विश्व को अंधा बना देगी।

सिलाई, बुनाई, कढ़ाई बनाम तनाव

-क्षमा शर्मा

यह 2011 की बात है। महीना अप्रैल का था। मैं स्विट्ज़रलैंड के नगर जिनेवा और फ्रांस की सीमा पर बने एक अस्पताल में बैठी हुई थी। रिसैप्शन पर और भी कई महिलाएं और पुरुष बैठे थे। दो गोरी महिलाओं के हाथ तेजी से चल रहे थे। उनमें से एक स्वैटर बुन रही थी और दूसरी मफलर। लेकिन दोनों की ऊन का रंग एक ही था, सिलेटी। उन्हें देखकर चकित हुए बिना नहीं रहा जा सका योंकि हमारे यहां शायद ही कोई महिला स्वैटर या अन्य चीजें बुनती दिखती थीं, जबकि इस सदी के शुरू होने से पहले तक सर्दी आने से पहले ही दुकानें रंग-बिरंगी ऊन की लच्छियों से सज जाती थीं। अंदर ऊन के गोलों के डिबे सजे रहते थे। ऊन भी तरह-तरह की होती थी। लेकिन अब ऊन दिखाई नहीं देती योंकि ऊनी कपड़े भारी मात्रा में बाजार में मिलते हैं। वे सस्ते भी होते हैं। फिर कौन स्वैटर बुनकर समय बर्बाद करे। वर्ना तो कई महिलाएं ऐसी होती थीं कि अगर किसी ने स्वैटर पहना है और उन्हें वह डिजाइन पसंद आ गया तो वे देखकर घर आकर वैसे ही डिजाइन के नमूने बनाकर रख लेती थीं और बाद में स्वैटर, टोपी, जैकेट, मोजे, मफलर, शाल आदि बनाने में उनका इस्तेमाल करती थीं।

यही हाल सिलाई का है। सिलाई मशीन ने कपड़े सीने में क्रांति कर दी। घर-घर में सिलाई मशीन होती थी। हर शहर में सिलाई केंद्र होते थे, जहां लड़कियां और महिलाएं सिलाई सीखने जाती थीं। शादी के वक्त लड़की के परिवार वाले सिलाई मशीन जरूर देते थे। इसी सिलाई मशीन के चलते न जाने कितनी असहाय महिलाओं ने अपनी गृहस्थी चलाई, परिवार को पाला-पोसा। पुरानी फिल्मों में भी ऐसे दृश्य बहुतायत से मिलते थे। किसी भी त्यौहार, उत्सव, शादी-ब्याह से पहले घर की महिलाएं, जिनमें माता, चाची, ताई, बहन, भाभी सभी अपनी-अपनी पसंद के कपड़े सिलती थीं। लेकिन अब घरों में कपड़े शायद ही सिले जाते हैं। यहां तक कि फटे कपड़ों को यदि कोई ठीक कराना चाहता है, तो वह किसी दर्जी की ही मदद लेता है। हालांकि इन दिनों दर्जी भी बहुत कम दिखाई देते हैं। क्योंकि सिले-सिलाए कपड़ों से बाजार भरा पड़ा है। वे जेब पर भी भारी नहीं पड़ते। इसी तरह कढ़ाई को ले लीजिए। घर में हाथ से कढ़े तकिए, चादरें, मेजपोश, कुर्सी की गद्दियां, रूमाल, साडियां खूब दिखाई देती थीं। लड़के वाले जब लड़की देखने आते थे, तो उन्हें बताया जाता था कि फलां जो चादर बिछी है, उसे हमारी इसी लड़की ने काढ़ा है। कढ़ाई के टांके इतनी प्रकार के होते थे कि अब उनमें से बहुत से याद भी नहीं हैं, क्योंकि कढ़ाई करना बीते जमाने की बात हो गई।

ये सब महिलाओं की विद्या और कलात्मकता थी, जो एक-एक करके बाजार के हवाले हो गई। इसका बड़ा कारण यह भी रहा कि पहले तो महिलाएं काफी समय घर में रहती थीं। वे अपने समय का सदुपयोग कढ़ाई, बुनाई, सिलाई आदि करके करती थीं। लेकिन अब वे पढ़-लिखकर नौकरी करती हैं। उनके पास इतना समय नहीं बचा। इसके अलावा इन सब कलाओं को घरेलू कहकर और पिछड़ेपन के खाते में डालकर इनका मजाक भी उड़ाया जाने लगा। वह समय भी याद किया जा सकता है, जब अनेक पत्रिकाओं के सिलाई, बुनाई, कढ़ाई विशेषांक आदि निकला करते थे। अब शायद ही कोई पत्रिका ऐसा करती है। पिछले दिनों एक शोध के बारे में पढ़ रही थी, तो ऐसी अनेक बातें याद आने लगीं। इस शोध में कहा गया है कि सिलाई, बुनाई, कढ़ाई आदि सिर्फ समय काटने के ही साधन नहीं, बल्कि इससे कलात्मकता बढ़ती है और इन्हें करने वालों का मानसिक स्वास्थ्य भी ठीक रहता है। शोध करने वालों ने कहा कि इन कलाओं को अपनी दैनिक गतिविधियों में जरूर शामिल किया जाना चाहिए। इससे न केवल तनाव दूर होगा, बल्कि मन शांत भी रहेगा। इस शोध में सात हजार से अधिक लोगों को शामिल किया गया। इनमें से जो भी ऐसी गतिविधियों में शामिल हुए, वे अन्य से अधिक शांत थे। उन्हें तनाव भी नहीं होता था।

शोध में यह पाया गया कि इन कलाओं में भाग लेने से तनाव संबंधी हार्मोन कम होते हैं। यह भी कहा गया कि व्यस्त जीवनशैली, जिसमें हमारी नौकरी भी शामिल है, उसके कारण तनाव बढ़ता है, इसलिए दैनिक जीवन में सिलाई, कढ़ाई, बुनाई आदि जरूरी है। ऐसा करने से भावनाओं को व्यक्त किया जा सकता है। जीवन की बहुत सी समस्याओं को हल करना आसान होता है। आत्मविश्वास बढ़ता है। मुझको लगा कि क्यों पुराने जमाने की स्त्रियां तमाम विपत्तियों का सामना करते हुए भी इन आफतों से मुक्त रहती थीं, शायद उसका कारण यही कलाएं रही हों। इंगलैंड में हुए इस शोध पर पता नहीं हमारे कुछ विमर्शकारों की नजर पड़ी कि नहीं। क्योंकि सिलाई, बुनाई करने वाली औरतों को ऐसे विमर्शों ने अनपढ़ और परिवारवादी कहकर खारिज कर दिया। अब कोई इन्हें दोबारा शुरू भी करना चाहे तो कैसे करे। एक बार जो कला चलन से बाहर हो जाती है, वह आसानी से नहीं लौटती। हालांकि इस तरह की दुक्षचताएं आजकल अक्सर व्यक्त की जाती हैं कि महिलाओं में तनाव बहुत बढ़ रहा है। तनाव जनित रोग भी बढ़ रहे हैं।

राजनेताओं को 'देवता' और 'भगवान' मानने की प्रथा

ऐसा लगता है कि फिल्मी कलाकार ही राजनीति में नहीं आ रहे, हमारे राजनेताओं पर भी फिल्मी नाटकीयता का असर चढ़ता जा रहा है। एक दशक में ही 2 राज्यों की सत्ता और राष्ट्रीय दल का दर्जा हासिल करने वाली आम आदमी पार्टी (आप) के सर्वेसर्वा अरविंद केजरीवाल की राजनीतिक शैली हमेशा चौंकाने वाली रही है। वह कब कौन-सा राजनीतिक दाव चलेंगे, यह शायद उनके करीबी भी नहीं जान पाते। कथित शराब नीति घोटाले में गिरफ्तारी के बाद से ही भाजपा दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से केजरीवाल का इस्तीफा मांगते-मांगते थक गई, लेकिन वह जेल से ही सरकार चलाने की जिद करके उसे चिढ़ाते रहे। यह सच है कि मुख्यमंत्री पद वापस ले लिए जाने पर चंपई सोरेन बगावत कर भाजपाई हो गए, लेकिन इससे हेमंत सोरेन की नैतिक बढ़त कम नहीं हो जाती। उन्होंने गिरफ्तारी के चलते इस्तीफा देने की नैतिकता दिखाई और तभी पद वापस संभाला, जब हाईकोर्ट से जमानत मिल गई। जमानत देते समय हाई कोर्ट ने जो टिप्पणियां कीं, वे हेमंत को गिरफ्तार करने वाली ई.डी. की साख पर ही सवालिया निशान लगाती हैं। बेशक नए मुख्यमंत्री का चयन 'आप' नेतृत्व और विधायक दल का विशेषाधिकार है। आतिशी की छवि को देखते हुए उनके चयन पर सवाल भी नहीं उठाया जा सकता, लेकिन बगल में केजरीवाल की कुर्सी रख दूसरी कुर्सी पर बैठकर शासन चलाने का फैसला कई असहज सवाल खड़े करता है। भारत के संविधान में 'अप्रत्यक्ष शासन' या 'खड़ाऊं राज' का कोई प्रावधान नहीं है। जब जमानत पर बाहर आने के 2 दिन बाद केजरीवाल ने ऐलान किया था कि वह 2 दिन बाद इस्तीफा दे देंगे, तभी एक मंत्री ने संकेत दिया था कि नया मुख्यमंत्री जो भी होगा वह केजरीवाल के नाम पर 'खड़ाऊं राज' ही चलाएगा। खुद आतिशी ने विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद कहा था कि वह विश्वास जताने के लिए आभारी हैं, पर दिल्ली का एक ही मुख्यमंत्री है और वह हैं अरविंद केजरीवाल। यह सब कहना-सुनना राजनीतिक दाव-पेंच और चुनावी माहौल के लिए तो ठीक है, लेकिन 23 सितंबर को पदभार संभालते हुए आतिशी जिस तरह बगल में केजरीवाल की कुर्सी खाली रखते हुए दूसरी कुर्सी पर बैठीं और साफ-साफ कहा भी कि वह उसी तरह 'खड़ाऊं राज' चलाएंगी, जैसे 14 साल के लिए वनवास पर गए राम की जगह उनके छोटे भाई भरत ने चलाया था। नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण के बाद आतिशी ने जिस तरह राजनिवास में केजरीवाल के पैर छुए, उसे तेजी से लुप्त हो रहे संस्कार और शिष्टाचार का उदाहरण माना जा सकता है, लेकिन केजरीवाल को 'राम' बताते हुए स्वयं 'भरत' बनकर जिस 'खड़ाऊं राज' की बात आतिशी कह रही हैं, वह ऐसी नाटकीयता है, जो न सिर्फ आपत्तिजनक है, बल्कि विपक्ष को चुनावी मुद्दा भी उपलब्ध कराएगी। संविधान सम्मत शासन की शपथ लेने के बाद अपनी जिम्मेदारी और जवाबदेही से मुंह मोड़कर किसी और के नाम पर 'खडाऊं राज' चलाना असंवैधानिक और अलोकतांत्रिक है। बेशक विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत में ऐसा करने वाली आतिशी पहली राजनेता नहीं हैं। उनसे पहले जयललिता की स्वामीभक्ति में पन्नीरसेल्वम ऐसा कर चुके हैं। अपने दौर की चर्चित फिल्म अभिनेत्री भी रहीं, तमिलनाडु की मुख्यमंत्री जयललिता जब जेल गईं तो उनकी जगह मुख्यमंत्री बने पन्नीरसेल्वम भी उनका सिंहासन खाली छोड़ बगल में कुर्सी रखकर शासन चलाया करते थे।

प्रधानमंत्री आवास-अंत्योदय की उपज

अशोक बजाज

महान विचारक एवं राजनीतिक चिंतक पं. दीनदयाल उपाध्याय ने समाज में व्याप्त आर्थिक विषमता को दूर करने के लिए 20 वी सदी में अंत्योदय के सिद्धांत का प्रतिपादन किया था. उन्होंने जब महसूस किया कि देश में अमीरी व गरीबी के बीच की खाई दिनों दिन गहरी होती जा रही है। एक ओर जहां समाज में ऐसे लोग हैं जिसके पास बेशुमार धन संपदा है वहीं दूसरी ओर एक बड़ा तबका ऐसा भी है जिसकी कमाई सीमित है, उनके लिए अपनी दैनंदिनी की आवश्यकता की आपूर्ति करना कठिन और दुष्कर है। यह तबका आर्थिक रूप से काफी पिछड़ा हुआ है। इन्हें अपनी आजीविका के लिए दूसरों पर आश्रित रहना पड़ता है। इनका अपना कोई आशियाना भी नहीं है। अंग्रेजी हुकूमत ने इस वर्ग का काफी आर्थिक शोषण किया। उस दौर में इन्हें ना ही अपने श्रम का उचित मूल्य मिलता था और ना ही सम्मानजनक जीने का अवसर। अत: ये जमीदारों व साहूकारों के चंगुल में फंस कर गरीबी, बेकारी व भुखमरी के शिकार हो गये। उन्हें अपने जीवन यापन के लिए बंधुआ मजदूरी भी करनी पड़ी। अमीरी व गरीबी की खाई के साये में सन् 1947 में आजाद भारत का जन्म हुआ लेकिन आज़ादी के बाद भी यह समस्या नासूर बनी रही। इस व्यवस्था से व्यथित पं. दीनदयाल ने कहा कि आर्थिक असमानता की खाई को पाटने के लिए आवश्यक है कि हमें आर्थिक रूप से कमजोर लोंगों के उत्थान की चिन्ता करनी चाहिए क्योंकि अर्थ का अभाव और अर्थ का प्रभाव दोनों समाज के लिए घातक है। पं. दीनदयाल उपाध्याय ने कहा कि हमारे प्रयास और हमारी विकास की योजनाएं ऐसी हों कि समाज के अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति का विकास पहले हो। समाज के उपेक्षित व शोषित व्यक्ति को समाज की मुख्य धारा से जोड़कर आर्थिक समानता स्थापित करने का काम अन्त्योदय के सिद्धांत से ही हो सकता है। पं. दीनदयाल जी ने इस आर्थिक असमानता को दूर करने के लिए ''अंत्योदय'' के सिद्धांत का प्रतिपादन करते हुए कहा कि ''हमारी भावना और सिद्धांत है कि वह मैले कुचैले, अनपढ़ लोग हमारे नारायण हैं, हमें इनकी पूजा करनी है, यह हमारा सामाजिक व मानव धर्म है। जिस दिन हम इनको पक्के सुंदर, स्वच्छ घर बनाकर देंगें, जिस दिन इनके बच्चों और स्त्रियों को शिक्षा और जीवन दर्शन का ज्ञान देंगें, जिस दिन हम इनके हाथ और पांव की बिवाईयों को भरेंगें और जिस दिन इनको उद्योंगों और धर्मो की शिक्षा देकर इनकी आय को ऊंचा उठा देंगें, उस दिन हमारा मातृभाव व्यक्त होगा।'' उनका मत था कि हमारी नीतियां, योजनाएं व आर्थिक कार्यक्रम कमजोर लोगों को ऊपर लाने की होनी चाहिए ताकि वे भी समाज की मुख्यधारा से जुड़ सकें और उन्हें भी समाज के अन्य वर्ग के साथ बराबरी में खड़े होने का अवसर मिल सके। आज़ादी के बाद बनी विभिन्न सरकारों ने अंत्योदय के सिद्धांत की

अनदेखी की, परिणाम यह हुआ कि भारत में गरीबी बढ़ती ही गई। एक बार गरीबी हटाओ का नारा भी दिया गया लेकिन वह भी केवल नारा बन कर ही रह गया. लेकिन जब से नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने हैं तब से अंत्योदय के सिद्धांत का पूरी तरह पालन किया जा रहा है। देश में आज अंत्योदय के सिद्धांत से प्रेरित होकर अनेक जनकल्याणकारी योजनाएँ संचालित हो रही है। ''सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास एवं सबका प्रयास'' के मूलमंत्र के साथ सरकारी योजनाओं के माध्यम से गरीबों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने का लगातार प्रयास हो रहा है। मोदी सरकार ने सामान्य लोगों के आत्मगौरव और आत्मविश्वास को बढ़ाने तथा उनकी बुनियादी जरूरतों को पूरा करने वाली अंत्योदय प्रेरित योजनाओं पर ज्यादा ध्यान केंद्रित किया है। इन दिनों शिक्षा, स्वास्थ्य व आर्थिक विकास की असंख्य योजनाएं देश भर में चल रही है। इन योजनाओं के माध्यम से भारत के आम आदमी के जीवन-स्तर को सुधारने तथा उन्हें समाज की मुख्यधारा में लाने के तेजी से प्रयास हो रहे हैं। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सन 2015 में प्रधानमंत्री आवास योजना की शुरुवात की थी। यह अंत्योदय प्रेरित योजना है जिसमें गरीब और बेघर लोगों को अपना खुद का घर बनाने के लिए सरकारी सहायता का प्रावधान है। इस योजना के तहत पिछले 10 सालों में पात्र गरीब परिवारों के लिए लगभग 4 करोड़ घर बनाए जा चुकें हैं। इस योजना के अंतर्गत बन रहें घरों में शौचालय एवं शुद्ध जल की व्यवस्था का भी प्रावधान है। पीएमएवाई के तहत, लाभार्थियों का चयन सामाजिक-आर्थिक एवं जाति जनगणना (स्श्रष्टष्ट) 2011 के आंकड़ों के आधार पर किया जाता है। भारत सरकार ने अभी अभी इस योजना में बदलाव कर इसका दायरा बढ़ा दिया है। नए नियम के अनुसार जिन नागरिकों के पास टू व्हीलर, मछली पकड़ने की नाव, रेफ्रीजरेटर, लैंडलाइन फोन है या जिनकी आय 15,000 रुपए प्रतिमाह तक है उन्हें भी प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत पात्र माना जाएगा। इसके साथ साथ ही जिनके पास ढाई एकड़ सिंचित या पांच एकड़ असिंचित भूमि है, वे भी इस योजना का लाभ उठा सकेंगें। यह मोदी सरकार की बहुत ही महत्वाकांक्षी योजना है जिसका क्रियान्वयन उन व्यक्तियों को लक्ष्य करके किया गया है जिन्हें पं. दीनदयाल उपाध्याय ने ''समाज के अंतिम व्यक्ति'' की संज्ञा देकर सबसे पहले उनके उदय (विकास) की बात रखते हुये अंत्योदय का सिद्धांत प्रतिपादित किया था. मोदी सरकार लक्ष्य अन्त्योदय, प्रण अन्त्योदय व पथ अन्त्योदय के ध्येय के साथ निरंतर आगे बढ़ रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं- घर की चाबी सम्मान, आत्मविश्वास, सुनिश्चित भविष्य, नई पहचान और बढ़ती संभावनाओ के द्वार खोलती है। वास्तव में हर व्यक्ति का एक सपना होता है कि उसका स्वयं का एक पक्का आशियाना हो. मोदी सरकार ने प्रधानमंत्री आवास योजना प्रारंभ कर गरीबों के इस सपने को साकार करने का काम किया है।

नसरल्लाह की मौत पर रायपुर में कैंडल मार्च

शिया समुदाय ने बैनर-पोस्टर लेकर किया प्रदर्शन, बंद रखी दुकानें, आज रात मजलिस

मीडिया ऑडीटर, रायपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ के रायपुर में हिजबुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह की मौत पर शिया समुदाय ने रविवार रात सड़क पर निकल आया। हाथों में बैनर और कैंडल लिए मार्च निकाला। इस दौरान नसरल्लाह की मौत और इजराइल के हमले के विरोध में काले कपड़े पहनकर प्रदर्शन किया।

कैंडल मार्च रात 9.15 बजे मोमिनपारा की हैदरी मस्जिद से हुसैनी चौक तक निकाला गया। इस दौरान बड़ी संख्या में बच्चे, युवा और बुजुर्ग हाथ में कैंडल के साथ नसरल्लाह के पोस्टर पकड़े हुए थे। इससे पहले सुबह से ही शिया समुदाय के लोगों ने अपनी दुकानें बंद रखी और शोक मनाया। सोमवार रात को मजलिस (शोक कथा) का आयोजन किया जाएगा।

इजराइल और अमेरिका मुर्दाबाद के पोस्टर: हसन नसरल्लाह के मौत की खबर के बाद से ही दुनिया भर के शिया समुदाय के लोगों में इजराइल के खिलाफ आक्रोश है। रायपुर में कैंडल मार्च के दौरान मोमीनपारा में नसरल्लाह को श्रद्धांजलि देते बड़ा पोस्टर लगाया गया। वहीं, इस पोस्टर में इजराइल, अमेरिका और सऊदी मुर्दाबाद के नारे लिखे गए।

हिजबुल्लाह ने 20 घंटे बाद माना- चीफ नसरल्लाह मारा गया: हिजबुल्लाह ने इजराइली हमले के 20 घंटे बाद चीफ हसन नसरल्लाह के मारे जाने की पुष्टि की है। हिजबुल्लाह ने शनिवार शाम 5 बजे कहा कि शुक्रवार रात साढ़े 9 बजे इजराइल के हवाई हमलों में नसरल्लाह की मौत हो गई। इजराइली सेना ने राजधानी बेरूत में हिजबुल्लाह के हेडक्वार्टर पर 80 टन बम से हमला किया।

यह इतना भीषण था कि आसपास की 6 बिल्डिंग ध्वस्त हो गईं। बताया जा रहा है कि नसरल्लाह अपनी बेटी के साथ यहीं मौजूद था। आईडीएफ ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा, 'अब दुनिया को नसरल्लाह से डरने की जरूरत नहीं है। वह आतंक नहीं फैला पाएगा।'

नसरल्लाह के मारे जाने के बाद मिडिल ईस्ट में तनाव बढ़ गया है। इस बीच, ईरान में सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह अली खामेनेई ने इमरजेंसी मीटिंग बुलाई। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, खामेनेई को सुरक्षित स्थान पर भेज दिया गया है।

नेतन्याहू ने अमेरिका से दिया था हमले का आदेश: इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने शुक्रवार को यूएन में भाषण देने के बाद अपने होटल रूम से हिजबुल्लाह के हेडक्वार्टर पर हमले की इजाजत दी थी। अटैक के बाद इजराइली पीएम ऑफिस ने नेतन्याहू की एक तस्वीर जारी की थी, जिसमें वे लैंडलाइन फोन से लेबनान में हमले का आदेश दे रहे हैं।

आपसी रंजिश में 2 भाइयों को मारा चाकू, आंतें निकली बाहर

पुलिस ने 4 आरोपियों का निकाला जूलूस, सीन रीक्रिएट भी कराया

मीडिया ऑडीटर, भिलाई एजेंसी। भिलाई के छावनी थाना क्षेत्र के कैंप-1 में रविवार देर रात दो गुटों में जमकर मारपीट हुई। एक पक्ष ने दूसरे पक्ष के दो भाइयों पर कटर से हमला कर दिया। जिससे एक युवक की आंतें बाहर आ गईं। पुलिस ने 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर सोमवार दोपहर जुलूस निकाला और क्राइम सीन रिक्रिएट कराया।

छावनी थाना प्रभारी चेतन चंद्राकर ने बताया कि, रात 12 बजे उन्हें सूचना मिली की शास्त्री नगर साक्षरता चौक कैंप-1 में कुछ लोगों के बीच काफी विवाद हुआ है। कटर भी चला है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

दो भाइयों पर कटर से हमला: उन्होंने बताया कि, प्रतीक वासनिक पिता अनूप वासनिक के पेट में कटर लगने से आंतें बाहर आ गईं। प्रतीक को बचाने के लिए उसका भाई आया तो आरोपियों ने उसे भी कटर मार दिया। दोनों घायलों को लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल सुपेला पहुंचाया गया, जहां गंभीर हालत में एक को बीएम शाह अस्पताल ले जाया गया है।

पास के मोहल्ले में रहने वाले लड़कों ने किया हमला: शास्त्री नगर निवासी प्रतीक ने बताया कि, देर रात पुरानी रंजिश को लेकर शास्त्री नगर बुद्ध विहार निवासी शेरू, चरनू और राकेश सहित चार लड़के आए। आते ही वो लोग गाली-गलौज करते हुए मारपीट करने लगे। प्रतीक को मारता देख उसका भाई भी आया। भीड़ बढ़ती देख आरोपियों ने दोनों भाइयों को चाकू मारा और भाग गए।

पुलिस ने रात 3 बजे तक दी दबिश: इससे पहले की आरोपी भागते छावनी थाना प्रभारी खुद पेट्रोलिंग में निकले। उन्होंने सूचना के आधार पर रात 3 बजे तक अलग-अलग ठिकानों पर छापेमारी की। इसमें एक आरोपी जिम के अंदर ताला लगाकर सो गया था। उसे वहां से पकड़ा गया। बाकी तीन आरोपियों को अलग-अलग जगहों से गिरफ्तार किया गया है। जिसमें पुरुषोत्तम यादव, चरनू, राकेश साहू और तुषार निर्मलकर शामिल है।

पुलिस ने आरोपियों का निकाला जुलूस: पुलिस ने हथकड़ी लगाकर चारों आरोपियों को पूरे शास्त्री नगर एरिया में पैदल घुमाया। इस दौरान बदमाश कान पकड़कर अपने किए की माफी मांगते दिखे। क्राइम सीन के दौरान घायल के परिजनों रो-रोकर आरोपियों से पूछा कि उनके भाइयों ने क्या बिगाड़ा था, जो उनको चाकू मारा।

प्रयास के छात्रों का चक्काजाम, बोले-ओपी चौधरी सुनें मांगें

रायपुर में कहा- ना लैब है ना अपडेटेड लाइब्रेरी, शिकायत करने पर धमकी मिलती है

मीडिया ऑडीटर, रायपुर निप्र। रायपुर के सड्डू विधानसभा मुख्य मार्ग पर प्रयास हॉस्टल के 10वीं के छात्रों ने अपनी समस्याओं को लेकर चक्काजाम कर दिया। छात्रों का आरोप है कि स्कूल में प्रतियोगी परीक्षा से जुड़ी किताबें नहीं हैं। शिकायत करने पर शिक्षक हमें निष्कासित करने की धमकी देते हैं। मंत्री ओपी चौधरी हमारी मांगें सुनें।

छात्रों का कहना है कि, अब पढ़ाई पहले की तरह नहीं हो रही है। प्रशिक्षण अधिकारियों को पैसा खिलाकर भगा दिया जाता है। प्रशासनिक अधिकारी मंजुलिक तिवारी सालों साल हॉस्टल के निरीक्षण के लिए नहीं आती। महीनों छुट्टी पर रहती हैं। ना यहां लैब-लैबोरेटरी है ना ही कंप्यूटर लैब अपडेटेड है।

शिकायत करने पर टीसी देने की धमकी: छात्रों ने बताया कि, 340 बच्चों के लिए केवल एक-दो वाशरूम ओपन हैं। बाकी में ताला जड़ा हुआ है। लैब पूरी तरह से खाली है। हॉस्टल में काम करने के नाम पर बाहर के दीवारों पर केवल रंगाई पुताई की जाती है। जब हॉस्टल में आग लगने वाली घटना हुई। उस दौरान कलेक्ट्रेट से एक मैडम आई थी। उन्होंने 2 पन्नों की रिपोर्ट तैयार किया, लेकिन अब तक कोई काम नहीं हुआ है।

जिम्मेदारों ने क्या कहा: "यहां पर बच्चों को स्टडी मटेरियल प्रोवाइड किया गया है जैसे कि 9वी और 10वी के लिए हमारे प्रयास में एनटीएससी का एग्जाम होता है जो गवर्नमेंट की ओर से बंद कर दिया गया है। फिर भी यहां बोर्ड की तैयारी के साथ एनटीएससी बुक इस बार भी प्रोवाइड हुई है।

सरकारी कॉलोनी में चोरी

उप अभियंता और प्रधान पाठक के घर से कैश समेत 4 लाख के जेवरात पार

मीडिया ऑडीटर, रायगढ़ एजेंसी। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के खरसिया में एक ही रात में दो अधिकारियों के घर के ताले टूटे हैं। हाउसिंग बोर्ड की सरकारी कॉलोनी में चोरों ने 43 हजार 8500 रुपए की चोरी की है। घटना के बाद मामले की सूचना मिलने पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। घटना खरसिया चौकी क्षेत्र की है।

पहली घटना: खरसिया के हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में पीएचई विभाग में उप अभियंता के पद पर पदस्थ उमा सिदार 26 सितंबर की सुबह करीब 10 बजे अपनी दीदी हेमलता सिदार के साथ पारिवारिक कार्यक्रम के लिए गांव गई थी।

27 सितंबर को जब वो वापस घर पहुंची, तो ताला टूटा मिला। सभी सामान बिखरे पड़े थे। अलमारी का लॉकर भी टूटा था। चोरों ने उसमें रखे 70 हजार कैश सहित 1 लाख 63 हजार 500 रुपए के सोने-चांदी के जेवरात को पार कर दिया था। जिसकी शिकायत उमा ने खरसिया चौकी में दर्ज कराई है।

प्रधान पाठक के घर से 2 लाख से अधिक की चोरी

दूसरी घटना: ग्राम साजापाली में प्रधान पाठक के पद पर पदस्थ घनश्याम पटेल की पत्नी धमरजयगढ़ क्षेत्र में अतिथि शिक्षक हैं। वो बीच-बीच में खरसिया के मदनपुर स्थित क्वार्टर में आना जाना करती है। करीब सप्ताह भर पहले शिक्षक खरसिया से अपने बाइक पर अपनी पत्नी के यहां गया था। बारिश होने के कारण रुक गया। 27 सितबंर को उसे पता चला कि उसकी कॉलोनी में चोरी हुई है।

घर में अस्त-व्यस्त बिखरा पड़ा था सामान: पड़ोसी से फोन के माध्यम से पूछताछ करने पर उसे पता चला कि, उसके घर का भी ताला टूटा हुआ है। जिसके बाद वह घर पहुंचा और अंदर रूम जाकर देखा तो समान और कपड़ा अस्त-व्यस्त बिखरा पड़ा था। कमरे के ड्रेसिंग टेबल के अंदर रखे कैश 55 हजार सहित आलमारी के अंदर रखे 2 लाख 75 हजार रुपए के सोने-चांदी के जेवरात की चोरी हो गई है।

आरोपी घटना को अंजाम देकर फरार: पुलिस ने दोनों ही मामले में अज्ञात चोरों के खिलाफ धारा 305 बीएनएस 331 (4) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर लिया है। बताया जा रहा है कि आरोपियों की तलाश की जा रही है। एक ही रात में दो घरों का ताला टूटने से पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था की पोल खुल गई है।

दोपहर बाद झमाझम बारिश ने बदला मौसम

छत्तीसगढ़ से आज मानसून की विदाई, 2 दिन में बाद और चढ़ेगा पार

मीडिया ऑडीटर, रायपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ में मानसून सीजन का आज (सोमवार को) आखिरी दिन है। इस बीच रायपुर में दोपहर बाद अचानक मौसम बदला और झमाझम बारिश शुरू हो गई। करीब 10 मिनट तेज पानी बरसने के बाद बूंदाबांदी का दौर जारी है। मौसम विशेषज्ञ के मुताबिक, अगले 2 दिनों में तापमान में 2 से 3 डिग्री की बढ़ोतरी हो सकती है।

2 दिनों से रायपुर समेत कई जिलों में मानसून पर ब्रेक लगने के चलते उमस बढ़ गई थी। सबसे ज्यादा तापमान 34.9 डिग्री महासमुंद में दर्ज किया गया। वहीं पेंड्रा रोड में पारा 21.6 डिग्री रहा। आज बस्तर संभाग के कुछ जिलों में बारिश की संभावना है। वहीं मानसून खत्म होने तक 5 जिलों में सूखे जैसे हालात हैं।

दक्षिण छत्तीसगढ़ में कुछ जगह हो सकती है बारिश: रविवार को प्रदेश में मानसून की सक्रियता सामान्य से कम रही। प्रदेश में एक-दो जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गयी। रविवार की सुबह 8 बजे तक रिकॉर्ड किए गए आंकड़ों के अनुसार सबसे ज्यादा बारिश कोंडागांव जिले के माकड़ी 60 मिलीमीटर बारिश हुई।

बस्तर के जिलों में हल्की बूंदाबांदी के आसार: आज और आने वाले एक-दो दिनों में भी बस्तर संभाग के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश का ही अनुमान है। मौसम विज्ञानियों ने मुताबिक दक्षिण-पश्चिम मानसून की वापसी की रेखा फिरोजपुर, सिरसा, चूरू, अजमेर, माउंट आबू, डीसा, सुरेन्द्र नगर, जूनागढ़ से होकर गुजर रही है।

उत्तर-पश्चिम मध्य प्रदेश और उसके आसपास के इलाकों में सुबह का चक्रवाती परिसंचरण समुद्र तल से 4.5 किमी ऊपर तक स्थित है। यह दबाव दक्षिण-पश्चिम की ओर झुका हुआ है जिसके कारण बस्तर संभाग के कुछ स्थानों पर हल्की बूंदाबांदी होने के आसार हैं।

नेशनल क्रिकेट टीम में सेलेक्शन कराने ठगे 70 लाख

महीनों से फरार महिला आरोपी गिरफ्तार, अबतक 3 अपराधी अरेस्ट

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में नेशनल क्रिकेट टीम में सेलेक्शन कराने के नाम पर बच्चों के परिजनों से करीब 70 लाख रुपए की ठगी की गई है। तोरवा पुलिस ने गिरोह की फरार आरोपी खुशबू को गिरफ्तार कर लिया है। दो आरोपी पहले ही रिमांड पर जेल भेजे जा चुके हैं।

दरअसल, वेयर हाउस रोड महामाया विहार निवासी राखी खन्ना ने 10 जनवरी 2023 को सिविल लाइन थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें बताया कि, राखी के बेटे आकाश खन्ना ने दिसंबर 2021 प्राइम क्रिकेट अकादमी बंगाली काली मंदिर ग्राउंड तोरवा में ज्वाइन किया था।

जिसका कोच सन्नी दुआ, डायरेक्टर अंजुल दुआ और उसका पति सन्नी दुआ ने बच्चों को नेशनल लेवल पर क्रिकेट टीम में सेलेक्शन दिलाने के सुनहरे सपने दिखाकर बच्चों और उनके अभिभावकों से नगदी रकम वसूल किया था।

खुशबू सिंह महीनों से चल रही थी फरार: पुलिस के मुताबिक, नेशनल क्रिकेट टीम में सेलेक्शन कराने के नाम पर आरोपी खुशबू सिंह के अकाउंट में ऑनलाइन करीब 70 लाख रुपए का ट्रांजेक्शन कर धोखाधड़ी की गई। सिविल लाइन पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर आरोपी सनी दुआ और अंजुल दुआ को गिरफ्तार कर लिया था। वहीं, आरोपी खुशबू सिंह (27) निवासी जरहाभाठा राजीव गांधी चौक बिलासपुर महीनों से फरार थी।

जरहाभाठा के आस-पास देखी गई थी खुशबू: तोरवा पुलिस को सूचना मिली कि खुशबू सिंह को जरहाभाटा चौक के आस पास देखा गया है। इसकी सूचना पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) उमेश कश्यप, नगर पुलिस अधीक्षक कोतवाली पुजा कुमार भापुसे को दी गई। इनके निर्देश पर पुलिस टीम सूचना की तस्दीक करने मौके पर पहुंची और खुशबू को हिरासत में ले लिया।

खुशबू का अकाउंट सीज, 70 लाख जमा कराए थे: आरोपी खुशबू से पूछताछ करने पर उसने जुर्म करना स्वीकार किया। इसके बाद उसके अकाउंट को सीज किया गया। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। पूरी कार्रवाई में निरीक्षक राहुल तिवारी थाना प्रभारी तोरवा, सहायक उप निरीक्षक विदेशी राम साहू आरक्षक अजय शर्मा, महिला आरक्षक इफरानी और फूल कुमारी का योगदान रहा।

बचपन स्कूल के विद्यार्थियों को कराया गया झगराखण्ड़ थाना का भ्रमण

स्कूली बच्चे पुलिस की कार्यशैली से हुए रूबरू

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। पुलिस अधीक्षक चन्द्रमोहन सिंह के निर्देशानुसार जिले के पुलिस द्वारा जागरूकता के संबंध में अभियान चलाया जा रहा है। उसी क्रम में आज झगराखाण्ड़ क्षेत्र में स्थित बचपन स्कूल के नन्हें-मुन्हे बच्चों को थाना झगराखाण्ड़ का भ्रमण कराया गया। थाना झगराखाण्ड़ को चाईल्ड फ्रेंडली थाना घोषित किया गया है। बच्चों के मन में पुलिस के प्रति जो अवधारणाएं है उस संबंध में सकारात्मकता से पुलिस की कार्यशैली से अवगत कराया गया कि पुलिस आपकी सुरक्षा के लिये है। पुलिस सभी को डराने धमकाने के लिए नहीं है बल्कि छोटे-छोटे बच्चों को समझाने का भी काम करती है। पुलिस का काम समाज के असामाजिक तत्वों के विरुद्ध कार्य करना है, यह बात बच्चों को बहुत ही आसान शब्दों में समझाया गया। जिससे उनके मन में पुलिस की एक अच्छी छवि निर्मित हो। उनसे बहुत ही मृदु व्यहार से पुलिस किस तरह काम करती है उसके संबंध में तथा पुलिस की कार्यशैली से अवगत कराया गया और बच्चों को बताया गया कि आप जब कभी भी स्कूल से घर जाते हैं या स्कुल आते हैं रास्ते में यदि आपको ऐसा लगता है कि आपका कोई पीछा कर रहा है या छेड़खानी कर रहा है, गलत ईशारे कर रहा है, जिससे आपको देखने में डर लगता है तो इसकी जानकारी अपने माता पिता व गुरूजनों को अवश्य दें और बच्चों को बताया गया कि आपको किसी भी व्यक्ति का व्यवहार असहज लगता है या उनके व्यवहार से आपको बुरा लगता है या कुछ गलत महसुस होता है, तो अपने माता-पिता को बतायें तथा गुड टच बैड टच के संबंध में बताया गया व थाना के चाईल्ड रूम का विजिट कराया गया।

उचित मूल्य दुकान संचालन हेतु आवेदन आमंत्रित

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। अनुविभागीय अधिकारी (रा.) खड़गवां के जानकारी अनुसार सर्वसाधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि शासकीय उचित मूल्य दुकान ग्राम पंचायत जरौंधा विकासखण्ड खड़गवां (आईडी क्रमांक-532004041) का सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत शासकीय उचित मूल्य दुकान संचालन हेतु आबंटन किया जाना हैं। जिसकी सूचना प्राप्त है। इस हेतु आदिम जाति सहकारी समिति, बहुउद्देशीय सहकारी समिति, महिला स्वयं सहायता समूह, वन सुरक्षा समिति एवं अन्य समितियों से आवेदन आमंत्रित कर नियमानुसार आबंटन की कार्यवाही किया जाना है। अतः उपरोक्त संबंधितों से 30 सितंबर 2024 से 14 अक्टूबर 2024 तक कार्यालयीन समय तक पंजीयन प्रमाण पत्र, पासबुक की छायाप्रति एवं अन्य सम्यक दस्तावेज सहित आवेदन पत्र आमंत्रित किया जाता है। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त आवेदन पत्रों पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

पितृ-भोज खाकर 74 ग्रामीणों की तबीयत बिगड़ी

उल्टी-दस्त से पीड़ित, मरीजों में 22 बच्चे, 2 की हालत गंभीर, स्वास्थ्य विभाग ने लगाया कैंप

मीडिया ऑडीटर, बालोद एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बालोद में जिले में पितृ भोज करने के बाद करीब 74 ग्रामीण बीमार हो गए। लोगों को उल्टी-दस्त शुरू हो गई। घटना डौंडी लोहारा ब्लॉक के ग्राम खामभाट की है। गांव में चैन सिंह के घर पितृ भोज का आयोजन किया गया था, जहां 50 परिवार के लोग शामिल हुए थे। भोजन करने के कुछ घंटों बाद लोगों की तबीयत बिगड़ने लगी, जिसमें सबसे ज्यादा बच्चे और महिलाएं शामिल हैं। आनन-फानन में स्वास्थ्य विभाग को सूचना दी गई। गांव में मरीजों की संख्या को देख स्वास्थ्य विभाग ने अस्थाई कैंप लगाया।

2 की हालत की गंभीर, राजनांदगांव रेफर: मरीजों में 22 बच्चे भी शामिल हैं, जिनमें 2 लोगों की हालत गंभीर है। उन्हें राजनांदगांव मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। मुख्य चिकित्सा और स्वास्थ्य अधिकारी महेश सूर्यवंशी ने बताया कि जब हमें सूचना मिली तो स्वास्थ्य विभाग ने वहां अस्थाई कैंप लगाया, सभी पीड़ितों का प्राथमिकता से इलाज किया गया। स्थिति अब नियंत्रण में है।

मरीजों को ऑब्जर्वेशन में रखा गया: अधिकारी ने बताया कि अभी दो से तीन नए मरीज सामने आए हैं और उनका इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चल रहा है। जिन्हें रेफर किया गया था, उनके हालत की भी लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। सभी मरीजों को ऑब्जर्वेशन रखा गया है।

पानी की नहीं कराई जांच: मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि प्राथमिक रूप से दूषित पानी पीने का वजह से घटना हुई है। जिस बोर से लोगों ने पानी पिया था, वहां दो दिन पहले ही मोटर डाला गया था। शायद वहां पानी की जांच नहीं कराई गई। पास में ही एक कुआं भी बना हुआ है, ऐसा अंदाजा लगाया जा रहा है कि लोगों ने कुएं का पानी भी पिया है।

विधायक भी पहुंचे गांव: घटना की जानकारी मिलने के बाद विधायक कुंवर सिंह निषाद गांव पहुंचे, उन्होंने मरीजों से बातचीत की। विधायक ने कहा कि अधिकारियों के साथ हम निरीक्षण कर रहे हैं। अधिकारियों को उचित देखभाल और व्यवस्था के लिए निर्देशित किया गया है। जिस घर का पानी पीने के बाद लोग बीमार हुए, विधायक ने वहां भी पहुंचे और जायजा लिया।

नगर पालिका क्षेत्र में सफाई मित्र सुरक्षा शिविर का हुआ आयोजन

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। नगर पालिका मनेंद्रगढ़ क्षेत्र में शासन के दिशा निर्देशानुसार स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती प्रभा पटेल के मार्गदर्शन एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीमती मुक्ता चौहान के निर्देशानुसार में आज सफाई मित्र सुरक्षा शिविर एवं स्वच्छता शपथ का आयोजन किया गया। विदित हो कि 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलने वाले स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत नगर पालिका मनेन्द्रगढ़ में स्वच्छता के क्षेत्र में जन जागरूकता लाने के उद्देश्य से विभिन्न स्वच्छता गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। उक्त स्वच्छता शिविर में सभी स्वच्छता कर्मचारियों के साथ-साथ स्वच्छता शपथ दिलाया गया। इस अवसर पर निकाय के उप अभियंता पवन कुमार साहू, स्वच्छता प्रभारी विजय मिश्रा, सफाई दरोगा मुनताज अहमद, विनोद चतुर्वेदी, सेंटर प्रभारी मो. अजीज, मनीष कुशवाहा, मनोज यादव, मोबाइल मेडिकल यूनिट के समस्त स्टॉफ, निकाय के अन्य अधिकारी कर्मचारीगण, स्वच्छता दीदी एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

जम्मू-कश्मीर की 40 सीटों पर आज वोटिंग

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के आखिरी और तीसरे चरण में कल मंगलवार (1 अक्टूबर) को 7 जिलों की 40 विधानसभा सीटों पर वोटिंग होगी। इसमें 39.18 लाख वोटर्स शामिल होंगे। तीसरे फेज की 40 सीटों में से 24 जम्मू डिवीजन और 16 कश्मीर घाटी की हैं। चुनाव आयोग के मुताबिक, आखिरी फेज 415 कैंडिडेट्स मैदान में हैं। इनमें 387 पुरुष और 28 महिला उम्मीदवार हैं। थर्ड फेज में 169 कैंडिडेट्स करोड़पति और 67 उम्मीदवारों पर क्रिमिनल केस दर्ज हैं। जम्मू के नगरोटा से भाजपा प्रत्याशी देवेंद्र सिंह राणा की सबसे ज्यादा 126 करोड़ संपत्ति है। इस फेज में संसद हमले का मास्टरमाइंड अफजल गुरु के बड़े भाई एजाज अहमद गुरु भी चुनावी मैदान में है। एजाज गुरु सोपोर सीट से निर्दलीय प्रत्याशी हैं। नॉर्थ कश्मीर की लंगेट सीट से इंजीनियर राशिद के भाई खुर्शीद अहमद शेख चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं पूर्व उप मुख्यमंत्री मुजफ्फर हुसैन बेग बारामूला से

निर्दलीय चुनाव लड़ रहे हैं। 18 सितंबर को पहले फेज की 24 विधानसभा सीटों वोटिंग हुई। इस दौरान 61.38त्न वोटिंग हुई। वहीं 25 सितंबर को 6 जिलों की 26 विधानसभा सीटों 57.31त्न मतदान हुआ। जम्मू की सबसे ज्यादा 11 सीटों पर वोटिंग, 33 प्रत्याशी मैदान में तीसरे फेज में जम्मू जिले की सबसे ज्यादा 11 सीटों पर वोट डाले जाएंगे।

वहीं बारामूला की 7, कुपवाड़ा और कठुआ की 6-6, उधमपुर की 4, बांदीपोरा और सांबा की 3-3 सीटों पर वोटिंग होगी। बारामूला सीट पर सबसे ज्यादा 25 कैंडिडेट्स चुनावी मैदान में हैं। वहीं जम्मू की अखनूर में 3 प्रत्याशियों के बीच मुकाबला है। आखिरी फेज में पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी 33 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। गठबंधन में चुनाव लड़ रहे नेशनल कॉन्फ्रेंस ने 18 जबकि कांग्रेस 24 सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं। भाजपा के 29 कैंडिडेट्स हैं। वहीं 155 निर्दलीय प्रत्याशी भी मैदान में हैं।

31 अक्टूबर को नहीं, 1 नवंबर को दिवाली मनाना सही

इंदौर (एजेंसी)। इस बार दीपावली का पर्व 31 अक्टूबर को मनाया जाए या फिर 1 नवंबर को? इसका जवाब ज्योतिष और विद्वत परिषद ने दे दिया है। इंदौर में हुई बैठक में इस बार दीपावली का पर्व 1 नवंबर को मनाना तय किया गया है। 1 नवंबर को दीपावली मनाने को 90त्न पंचांगकारों ने समर्थन किया है, उस पर सहमति दे दी गई है। इसके लिए सोमवार दोपहर में इंदौर के संस्कृत महाविद्यालय में विद्वानों और आचार्य की बैठक हुई। इसमें यह फैसला लिया गया है। हालांकि उज्जैन के पंडित आनंद शंकर व्यास के मुताबिक 31 अक्टूबर की शाम 4.03 बजे के बाद अमावस्या लग जाएगी। लक्ष्मी पूजन इसी 31 तारीख को प्राप्त है। मध्यप्रदेश वैदिक और विद्वत परिषद के वैदिक आचार्य पंडित रामचंद्र शर्मा वैदिक ने बताया कि सोमवार को मध्यप्रदेश ज्योतिष और विद्वत परिषद की ओर से विद्वानों का एक सम्मेलन हुआ। जिसमें विद्वानों ने अपने-अपने मत रखे। 90 प्रतिशत से अधिक विद्वानों ने ये मत रखा कि 1 नवंबर को दीप पर्व मनाना शास्त्र सम्मत होगा। इस साल 31 अक्टूबर और 1 नवंबर को, दोनों ही दिन अमावस्या तिथि प्रदोष काल में है। ऐसी स्थिति में धर्म शास्त्रों का कहना है कि दो दिन अमावस्या होने पर दूसरे दिन दीपावली मनाना शास्त्र सम्मत होगा। 1 नवंबर को शुक्रवार है। स्वाति नक्षत्र है। प्रीति और आयुष्मान योग है। इन सभी तथ्यों को देखा गया है। देश के 150 से अधिक पंचागकारों का कहना है कि दीप पर्व 1 नवंबर को मनाना ही शास्त्र सम्मत होगा।

हरियाणा में राहुल गांधी बोले-मोदी के भगवान अडाणी

कुरुक्षेत्र (एजेंसी)। हरियाणा चुनाव के बीच राहुल गांधी ने हरियाणा विजय संकल्प यात्रा शुरू कर दी है। सोमवार, 30 सितंबर को पहले दिन यह यात्रा नारायणगढ़ से थानेसर तक आई। यहां जनसभा में राहुल गांधी ने कहा- मोदी जी के भगवान अडाणी हैं। वे ऑर्डर देते हैं, मोदी जी ईडी और सीबीआई भेजकर काम करवा देते हैं। कांग्रेस नेता ने कहा- हमें ऐसा हिंदुस्तान नहीं चाहिए, जहां 25 लाख ऐश करें, हजारों करोड़ की शादी मनाएं और किसान-मजदूर भूखा मरे। मोदी जी नफरत बांट रहे। हिंदू-मुसलमान को बांटने की बात करते हैं। चक्रव्यूह का आकार कमल जैसा है, जिसमें फंसाकर अभिमन्यु को मारा गया। राहुल ने कहा - अग्निवीर स्कीम अडाणी के हथियार सेना को बेचने के लिए लाई गई। ये स्कीम जवानों की पेंशन चोरी का तरीका है। इस यात्रा में राहुल के साथ बहन प्रियंका गांधी भी रहीं। उन्होंने कहा कि पहलवान सड़क पर बैठे रहे, प्रधानमंत्री जी के पास उनसे मिलने के लिए 5 मिनट का टाइम नहीं था। मोदी सरकार सिर्फ अडाणी-अंबानी की सरकार है। इन्होंने किसानों को आतंकवादी कहा। राहुल गांधी ने हुड्डा-सैलजा के हाथ मिलवाएजातिसूचक शब्दों और टिकट बंटवारे में अनदेखी से सांसद नाराज; सिर्फ अपने समर्थकों की सीटों पर प्रचार राहुल गांधी की पहले दिन की यात्रा को कुरुक्षेत्र में खत्म कर दिया गया है। जानकारी देते हुए भास्कर के रिपोर्टर अनुज शर्मा। राहुल गांधी ने कहा- हमें ऐसा हिंदुस्तान नहीं चाहिए, जहां 25 लोग ऐश करें, हजारों करोड़ की शादी मनाएं और किसान-मजदूर भूखा मर जाए। इसको बदलने के लिए नरेंद्र मोदी, अमित शाह वाला चक्रव्यूह तोड़ना होगा। मैंने भाषण में कहा कि हिंदुस्तान का युवा अभिमन्यु नहीं है, अर्जुन है। वह आपका चक्रव्यूह दो मिनट में तोड़ देगा। आप अपने बच्चों को कॉलेज भेजो, पहले सरकारी कॉलेज और यूनिवर्सिटी होती थीं, अब प्राइवेट में लाखों रुपए लगते हैं। यही हाल स्वास्थ्य के क्षेत्र में हो रखा है।

कोलकाता रेप-मर्डर केस, बंगाल सरकार बोली-डॉक्टर्स काम नहीं कर रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोलकाता में 8-9 अगस्त को ट्रेनी डॉक्टर से रेप-मर्डर मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। बंगाल सरकार ने कहा कि रेजिडेंट डॉक्टर्स इन पेशेंट डिपार्टमेंट और आउट पेशेंट डिपार्टमेंट में काम नहीं कर रहे हैं। इसके जवाब में डॉक्टर्स के वकील ने कहा कि सभी इमरजेंसी और जरूरी सेवाओं में डॉक्टर काम कर रहे हैं। सुनवाई की शुरुआत में पीड़ित के वकील ने कहा कि सोशल मीडिया पर पीड़ित की तस्वीरें और नाम उजागर करने वाले पोस्ट अब तक मौजूद हैं। इसे लेकर सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि हमने पिछली सुनवाई में कहा था कि कोई भी पीड़ित का नाम और फोटो नहीं प्रकाशित कर सकता है। अब यह कानूनी संस्थाओं का काम है कि वे इस ऑर्डर को लागू करवाएं। वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने

बंगाल सरकार के उस आदेश पर भी नाराजगी जाहिर की, जिसमें सरकार ने कहा था कि महिला डॉक्टर्स को नाइट ड्यूटी में न लगाया जाए।

मौजूदा केस में डॉक्टर्स की सेफ्टी को देखते हुए यह फैसला लिया गया था। मामले की अगली सुनवाई 14 अक्टूबर को होगी। इस दिन सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता को नेशनल टास्क फोर्स की जांच पर रिपोर्ट पेश करनी होगी।

पीड़ित के वकील- क्या केंद्र कोई अफसर या ई-मेल आईडी उपलब्ध करा सकता है, जो कानून ऐसी पोस्ट को हटाए। जिस तरह की तस्वीरें पोस्ट की जा रही हैं, वो चौंकाने वाली हैं। डॉक्टर्स की ओर से वकील- हिंदी गानों पर रील्स बनाई जा रही हैं।

सीजेआई - पश्चिम बंगाल सरकार सभी मीडिया पोस्ट करने वालों से संपर्क करे।

मणिपुर हिंसा- थौबल में एनएच जाम करके प्रदर्शन

मणिपुर (एजेंसी)। मणिपुर में कुकी मिलिटेंट्स की कैद से थौबल की दो युवकों को छुड़ाने की मांग को लेकर सोमवार को थौबल मेला ग्राउंड में विरोध प्रदर्शन हुआ। प्रदर्शनकारियों ने नेशनल हाईवे (हृ॥) भी जाम कर दिया। कुकी मिलिटेंट्स ने तीन युवकों को बंदी बनाया था, उनमें से एक को छोड़ दिया है। प्रदर्शनकारियों की मांग है की बाकी दोनों को भी छोड़ा जाए। प्रदर्शन में पीड़ितों के परिवार भी शामिल हुए। प्रदर्शन के दौरान पीड़ित थोकचोम थोइथोइबा की मां बेहोश हो गईं। जॉइंट एक्शन कमेटी के रिप्रेजेंटेटिव ने सीएम एन बीरेन सिंह से मुलाकात की। उनका कहना है कि राज्य सरकार को दी गई समय सीमा सोमवार दोपहर 1ञ्30 बजे ही समाप्त हो चुकी है। इसलिए वे विरोध-प्रदर्शन के लिए बाहर जा रहे हैं। प्रदर्शन के दौरान नेशनल हाईवे ब्लॉक होने की वजह से यात्रियों को दूसरे

रास्तों से गुजरना पड़ रहा है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि जब तक दो बंधकों को रिहा नहीं किया जाता, तब तक नेशनल हाईवे ब्लॉक रखा जाएगा।

कुकी-मैतेई के बीच चल रही हिंसा को लगभग 500 दिन हो गए। इस दौरान 237 मौतें हुईं, 1500 से ज्यादा लोग जख्मी हुए, 60 हजार लोग घर छोड़कर रिलीफ कैंप में रह रहे हैं। करीब 11 हजार स्नढ्ढक्रदर्ज की गईं और 500 लोगों को अरेस्ट किया गया।इस दौरान महिलाओं की न्यूड परेड, गैंगरेप, जिंदा जलाने और गला काटने जैसी घटनाएं हुईं। अब भी मणिपुर दो हिस्सों में बंटा हैं। पहाड़ी जिलों में कुकी हैं और मैदानी जिलों में मैतेई। दोनों के बीच सरहदें खिचीं हैं, जिन्हें पार करने का मतलब है मौत। स्कूल- मोबाइल इंटरनेट बंद किए गए। मणिपुर में अचानक बढ़ी हिंसक घटनाओं के बाद राज्य सरकार ने 10 सितंबर को 5 दिन के लिए इंटरनेट पर बैन लगाया था। हालांकि, 12 सितंबर को ब्रॉडबेन्ड इंटरनेट से बैन हटा लिया गया था।

तिरुपति लड्डू विवाद-सुप्रीम कोर्ट ने कहा- जांच चल रही है तो सीएम ने बयान क्यों दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। तिरुपति मंदिर के लड्डुओं में जानवरों की चर्बी वाले घी के इस्तेमाल पर सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। जस्टिस बीआर गवई और केवी विश्वनाथन की बेंच ने कहा- जब प्रसाद में पशु चर्बी होने की जांच ष्टरूचंद्रबाबू नायडू ने एसआईटी को दी, तब उन्हें मीडिया में जाने की क्या जरूरत थी। कम से कम भगवान को तो राजनीति से दूर रखें। बेंच ने कहा- जुलाई में लैब रिपोर्ट आई। वह स्पष्ट नहीं है। मुख्यमंत्री एसआईटी जांच के आदेश देते हैं और फिर सितंबर में मीडिया के सामने बयान देते हैं। एक संवैधानिक पद पर बैठा व्यक्ति ऐसा कैसे कर सकता है। कोर्ट ने तिरुपति मंदिर की ओर से पेश हुए वकील सिद्धार्थ लूथरा से पूछा- इस बात के क्या सबूत

हैं कि लड्डू बनाने में दूषित घी का इस्तेमाल किया गया था। इस पर उन्होंने कहा कि हम जांच कर रहे हैं।

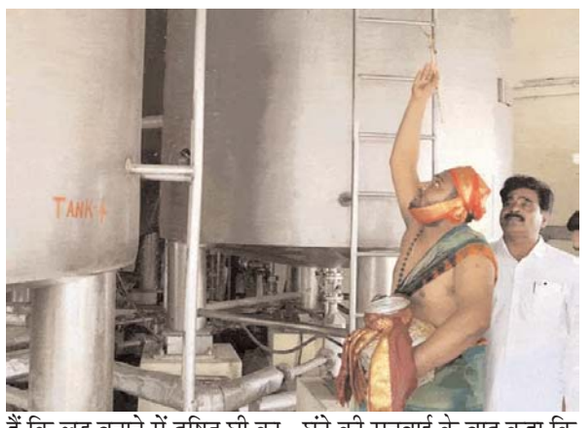

इसके बाद जस्टिस गवई ने पूछा, फिर तुरंत प्रेस में जाने की क्या जरूरत थी? आपको धार्मिक भावनाओं का सम्मान करना चाहिए। बेंच ने करीब 1 घंटे की सुनवाई के बाद कहा कि मामले की जांच स्ढ्ढञ्ज से ही कराएं या फिर किसी स्वतंत्र जांच एजेंसी से, इसके लिए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से हम सुझाव चाहते हैं। सभी याचिकाओं पर एक साथ 3 अक्टूबर को दोपहर 3ञ्30 बजे सुनवाई करेंगे।

मिथुन चक्रवर्ती को दादासाहेब फाल्के पुरस्कार

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस साल दादासाहेब फाल्के अवॉर्ड मिथुन चक्रवर्ती को दिया जाएगा। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार (30 सितंबर) को यह घोषणा की। मिथुन दा को 8 अक्टूबर को 70वीं नेशनल फिल्म अवॉर्ड सेरेमनी में सम्मानित किया जाएगा। मिथुन करीब 5 दशक के करियर में बांग्ला, हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, ओडिया और भोजपुरी की 350 से ज्यादा फिल्मों में काम कर चुके हैं। उन्होंने अपना फिल्मी करियर 1976 में मृगया से शुरू किया था और इस पहली ही फिल्म के लिए नेशनल अवॉर्ड जीता था। 1982 में आई डिस्को डांसर से उन्हें पहचान मिली। मिथुन को 3 बार नेशनल अवॉर्ड मिल

चुका है। उन्हें जनवरी 2024 में पद्मश्री से भी सम्मानित किया गया था। सच कहूं तो इतना प्रतिष्ठित पुरस्कार पाकर मैं निःशब्द हूं। न मैं रो पा रहा हूं न मैं मुस्कुरा पा रहा हूं। इतनी बड़ी चीज है। जहां से मैं आया हूं, उस लड़के को इतना बड़ा सम्मान मिला है, मैं सोच भी नहीं सकता। मैं ये अपने परिवार और दुनियाभर के फैंस को डेडिकेट करता हूं। नक्सली थे मिथुन, घर की जिम्मेदारी संभालने वापस आए 16 जून 1950 को मिथुन चक्रवर्ती का जन्म कोलकाता में हुआ था। उनका असली नाम गौरांग चक्रवर्ती है। मिथुन ने केमिस्ट्री में ग्रेजुएशन किया है। ग्रेजुएशन के बाद मिथुन नक्सल आंदोलन में शामिल होकर कट्टर नक्सली बन गए और घर से दूर हो गए। कुछ साल बाद मिथुन के इकलौते भाई का एक हादसे में निधन हो गया।

राफेल मरीन जेट डील-फ्रांस ने कीमत घटाई

पुणे (एजेंसी)। भारत और फ्रांस के बीच 26 राफेल मरीन जेट खरीदने की डील लगभग फाइनल हो गई है। फ्रांस ने डील को लेकर फाइनल ऑफर भेज दिया है। इस बार फ्रांस ने कीमत में कटौती की है। दोनों देशों के बीच 26 राफेल मरीन जेट की खरीद को लेकर कई महीनों से बातचीत चल रही थी। हालांकि, फाइनल डील कितने में होगी, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। भारत नौसेना के लिए राफेल-एम की डील के लिए बेस प्राइज वही रखना चाहता है, जो 2016 में वायुसेना के लिए 36 विमान खरीदते समय रखी थी। इस सौदे की कीमत 50 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा होने की उम्मीद है। पहले दौर की चर्चा जून 2024 में हुई थी 26 राफेल-एम फाइटर जेट खरीदने की डील पर पहले दौर की चर्चा पिछले महीने शुरू हुई थी। तब फ्रांस सरकार और दसॉ कंपनी के अधिकारियों ने रक्षा मंत्रालय की कॉन्ट्रैक्ट नेगोशिएशन कमेटी से चर्चा की थी। 50 हजार करोड़ की यह डील फाइनल होने पर फ्रांस राफेल-एम जेट के साथ हथियार, सिमुलेटर, क्रू के लिए ट्रेनिंग और लॉजिस्टक सपोर्ट भी मुहैया कराएगा। इस डील की जानकारी सबसे पहले पीएम नरेंद्र मोदी की पिछले साल की फ्रांस यात्रा के दौरान सामने आई थी। इसके बाद रक्षा मंत्रालय ने लेटर ऑफ रिक्वेस्ट जारी किया था, जिसे फ्रांस ने दिसंबर 2023 में स्वीकार किया। इस डील में और क्या-क्या रहेगा शामिल फ्रांसीसी ऑफर में फाइटर जेट पर भारतीय हथियारों को असेंबल करने के लिए पैकेज शामिल है। इन हथियारों में अस्त्र एयर-टु-एयर मिसाइल, एयरक्राफ्ट कैरियर से ऑपरेट करने के लिए जेट में इंडियन स्पेसिफिक इन्हैंस्ड लैंडिंग इक्विपमेंट्स और जरूरी इक्विपमेंट्स शामिल किए हैं। फ्रांस ने ट्रायल्स के दौरान इंडियन एयरक्राफ्ट कैरियर्स से राफेल जेट की लैंडिंग और टेक-ऑफ स्किल का प्रदर्शन किया है, लेकिन रियल टाइम ऑपरेशन के लिए कुछ और इक्विपमेंट्स का इस्तेमाल करना होगा।

वन नेशन-वन इलेक्शन: 3 बिल ला सकती है सरकार, दो संविधान संशोधन कराने होंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में एक साथ चुनाव कराने की अपनी योजना को अमल में लाने के लिए सरकार द्वारा 3 विधेयक लाए जाने की संभावना है, जिनमें दो संविधान संशोधन से संबंधित होंगे। प्रस्तावित संविधान संशोधन विधेयकों में से एक स्थानीय निकाय चुनावों को लोकसभा और विधानसभाओं के साथ कराए जाने से संबंधित है। इसके लिए कम से कम 50त्न राज्यों के अनुसमर्थन की आवश्यकता होगी। 'एक देश, एक चुनाव' योजना के साथ आगे बढ़ते हुए, सरकार ने इस महीने की शुरुआत में देशव्यापी सहमति बनाने की कवायद के

बाद चरणबद्ध तरीके से लोकसभा, राज्य विधानसभाओं और स्थानीय निकायों के लिए एक साथ चुनाव कराने की उच्च-स्तरीय समिति की सिफारिशों को स्वीकार कर लिया। पहला संविधान संशोधन विधेयक- लोकसभा और राज्य विधानसभा चुनाव एक साथ कराने का प्रावधान करने से संबंधित होगा। इसमें विधानसभाओं को भंग करने और 'एक साथ चुनाव' शब्द को शामिल करने के लिए अनुच्छेद 327 में संशोधन करने से संबंधित प्रावधान भी हैं। इस को 50त्न राज्यों द्वारा अनुसमर्थन की आवश्यकता नहीं होगी।

दूसरा संविधान- स्थानीय निकायों के चुनावों के लिए राज्य निर्वाचन आयोगों के परामर्श से निर्वाचन आयोग द्वारा वोटर सूची तैयार करने से संबंधित संवैधानिक प्रावधानों में संशोधन करने का प्रस्ताव करेगा।

तीसरा संशोधन- यह बिल केंद्र शासित प्रदेशों से संबंधित तीन कानूनों के प्रावधानों में संशोधन करने वाला एक सामान्य विधेयक होगा।

राहुल गांधी ने हुड्डा-सैलजा के हाथ मिलवाए

अंबाला (एजेंसी)। हरियाणा विधानसभा चुनाव में जीत के लिए राहुल गांधी प्रचार के साथ-साथ कांग्रेसी नेताओं की गुटबाजी दूर करने की कोशिश में भी जुटे हैं। राहुल ने सोमवार को अंबाला के नारायणगढ़ से %हरियाणा विजय संकल्प यात्रा% शुरू की। इस मौके पर रखी गई जनसभा में भीड़ के अभिवादन के दौरान राहुल गांधी ने पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा और सांसद कुमारी सैलजा के हाथ मिलवाए। सैलजा और हुड्डा के बीच टिकटों के बंटवारे के समय से ही खटपट चल रही है। सैलजा अपने कई समर्थकों को टिकट न मिलने और हुड्डा समर्थकों की ओर से उन्हें जातिसूचक शब्द कहे जाने से नाराज चल रही हैं। वह कई इंटरव्यू में इशारों-इशारों में अपनी नाराजगी जता भी चुकी हैं। 12 सितंबर को टिकटों का ऐलान होने के बाद, सैलजा ने चुनाव प्रचार से भी दूरी बना ली।

उन्होंने 25 सितंबर तक प्रदेशभर में कहीं कोई प्रोग्राम नहीं किया।

गडकरी बोले- लाडकी बहन स्कीम से सब्सिडी अटकी

महाराष्ट्र (एजेंसी)। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कहा- महाराष्ट्र की लाडकी बहन योजना के कारण विभिन्न योजनाओं की सब्सिडी का भुगतान लेट हो जाएगा। गडकरी ने यह बात रविवार को नागपुर के एक कार्यक्रम में कही। यह तय नहीं है कि इन्वेस्टर्स को समय पर उनकी सब्सिडी का भुगतान मिलेगा या नहीं, क्योंकि सरकार को लाडकी बहन योजना के लिए भी धन जुटाना पड़ता है। विदर्भ के इन्वेस्टर्स को इन्वेस्टमेंट के लिए आगे आना चाहिए क्योंकि सब कुछ सरकार पर नहीं छोड़ा जा सकता। महाराष्ट्र सरकार की लाडकी बहन योजना में महिलाओं को हर महीने 1500 रुपए दिए जाते हैं। नितिन गडकरी के बयान पर विपक्ष ने कहा- इससे साफ है कि महाराष्ट्र की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। यह चिंता का विषय है। पिछले महीने महाराष्ट्र सरकार ने शुरू की थी योजना, गडकरी भी कार्यक्रम में थे महाराष्ट्र सरकार की लाडकी बहन योजना की शुरुआत 17 अगस्त, 2024 को हुई थी। इसका उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है।

लगातार शतरंज प्रतियोगिताओं में भाग लेने से शारीरिक और मानसिक तौर पर चुनौतीपूर्ण - प्रज्ञानानंदा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने कहा कि पूरे साल शतरंज खेलने से एक खिलाड़ी के शारीरिक और मानसिक पहलुओं पर भारी असर पड़ सकता है और वह इससे निपटने के लिए टूर्नामेंटों से पहले अपने दिमाग को खेल से दूर रखने की सोचते है। भारत को पहली बार शतरंज ओलंपियाड में स्वर्ण पदक दिलाने के बाद हाल ही में बुडापेस्ट से लौटे प्रज्ञानानंदा ने कहा कि यह लगातार शतरंज खेलने का ही नतीजा है कि वह कभी-कभी वह शतरंज की बिसात की ओर देखना भी नहीं चाहते हैं। चेन्नई के इस 19 साल के खिलाड़ी ने कहा, ''निश्चित रूप से इससे मानसिक और शारीरिक प्रभाव पड़ता है। लेकिन हम इसके आदी हैं... हमें इसकी आदत डालने की जरूरत है क्योंकि पूरे साल टूर्नामेंट होते रहते हैं।''

उन्होंने 'पीटीआई' से कहा, '' मुझे पिछले साल इस तरह की चुनौती का सामना करना पड़ा था। इस लिए मुझे उसकी आदत हो गयी है।'' प्रज्ञानानंदा अब लंदन में होने वाले ग्लोबल शतरंज लीग (जीसीएल) में प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार हो रहे हैं। इस टूर्नामेंट टेक महिंद्रा और अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) का संयुक्त उद्यम है। प्रज्ञानानंदा इस लीग में मैग्नस कार्लसन के नेतृत्व वाली अल्पाइन एसजी पाइपर्स का प्रतिनिधित्व करेंगे। छह टीमों की इस लीग का आयोजन तीन अक्टूबर से शुरू होगा। उन्होंने कहा, ''इस तरह की थकान से निपटने के लिए मैं खुद को कुछ समय के लिए शतरंज से दूर कर लेता हूं।

अब फिट हैं नीरज चोपड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने आगामी सत्र के लिए पूरी तरह से फिट होने का वादा किया है। शुक्रवार 27 सितंबर को नीरज ने कहा कि उनका अगला लक्ष्य 2025 टोक्यो विश्व चैंपियनशिप में पोडियम पर जगह हासिल करना है। ओलंपिक में दो बार के मेडल विजेता नीरज ब्रुसेल्स में डायमंड लीग के फाइनल में दूसरे स्थान रहे थे। टोक्यो ओलंपिक में गोल्ड मेडल जीतने वाले नीरज ने पेरिस ओलंपिक में सिल्वर मेडल अपने नाम किया था। नीरज लगातार दो ओलंपिक में पदक जीतने वाले भारत के पहले ट्रैक एवं फील्ड एथलीट हैं। इस 26 साल के खिलाड़ी ने हरियाणा खेल विश्वविद्यालय की मिशन ओलंपिक 2036 पर आयोजित एक सम्मेलन के मौके पर पीटीआई-वीडियो से कहा, ''मेरा सत्र अब खत्म हो गया है। अगले साल का सबसे बड़ा लक्ष्य विश्व चैंपियनशिप है और हम इसके लिए अभी से तैयारी शुरू कर देंगे। ओलंपिक हमेशा हमारे दिमाग में रहता है, लेकिन उसके लिए हमारे पास चार साल हैं।''

विश्व चैंपियनशिप अगले साल 13 से 21 सितंबर तक आयोजित होने वाली है। चोपड़ा पूरे साल मांसपेशियों की चोट से जूझते रहे और इससे ओलंपिक और डायमंड फाइनल दोनों में उनका प्रदर्शन प्रभावित हुआ। डायमंड लीग फाइनल में उन्होंने टूटे हुए बाएं हाथ के साथ भी प्रतिस्पर्धा की थी। उन्होंने सत्र के अंत में डॉक्टरों से सलाह लेने की बात कही थी ताकि यह तय किया जा सके कि चोट से उबरने के लिए सर्जरी की जरूरत होगी या नहीं।

हॉकी द्विपक्षीय सीरीज के लिए जर्मनी से भिड़ेगी भारतीय हॉकी टीम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम 23 और 24 अक्टूबर को मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में जर्मनी के साथ दो मैचों की द्विपक्षीय सीरीज खेलेगी। हॉकी इंडिया ने ये घोषणा की।

भारत ने पिछली बार जर्मनी का सामना पेरिस ओलंपिक के सेमीफाइनल में किया था जहां यूरोप की दिग्गज टीम ने 3-2 से जीत दर्ज की थी। भारत ने ओलंपिक में तीसरे स्थान के प्ले ऑफ में स्पेन को हराकर कांस्य पदक जीता था। वहीं हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा कि, जर्मनी के खिलाफ ये द्विपक्षीय सीरीज विश्व स्तरीय हॉकी का एक उल्लेखनीय प्रदर्शन होगी। भारत और जर्मनी दोनों का खेल में एक समृद्ध इतिहास है और ये सीरीज फैंस को दुनिया की दो सबसे मजबूत टीमों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने का अवसर देगी। हम इस सीरीज की मेजबानी से सम्मानित महसूस कर रहे हैं। इससे ना केवल हॉकी की भावना को बढ़ावा मिलेगा बल्कि दोनों देशों के बीच रिश्ते भी मजबूत होंगे। वहीं भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने मंगलवार को कहा कि वह जर्मनी के खिलाफ दो मैचों की द्विपक्षीय सीरीज का इंतजार कर रहे हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि 23 और 24 अक्टूबर को होने वाले मैच से उनकी टीम को खुद को परखने का मौका मिलेगा।

रविंद्र जडेजा ने रचा इतिहास, टेस्ट क्रिकेट में पूरे किए 300 विकेट, ऐसा करने वाले तीसरे भारतीय खिलाड़ी बने

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और बांग्लादेश के बीच दूसरा टेस्ट मैच कानपुर में खेला जा रहा है। मैच के चौथे दिन भारतीय स्टार ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। दरअसल, उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में अपने 300 विकेट पूरे किए हैं। खालिद अहमद उनका 300वां विकेट रहे। इसके साथ ही जडेजा ऐसा करने वाले भारत के कुल 7वें गेंदबाज और चौथे स्पिनर बने हैं। वर्ल्ड क्रिकेट की बात करें तो जडेजा 300 विकेट झटकने वाले दुनिया के 38वें गेंदबाज हैं। इसके अलावा वह भारत के पहले बाएं हाथ के स्पिन गेंदबाज हैं, जिन्होंने 300 विकेट अपने नाम किए हैं। टेस्ट क्रिकेट में मुथैया मुरलीधरन के नाम सबसे ज्यादा विकेट (800) हैं।

इसके साथ ही भारतीय धरती पर जडेजा ने पहला टेस्ट साल 2012 में खेला था। उन्होंने 46 मुकाबले खेले हैं और लगभग 20 की औसत से 219 विकेट लिए हैं। उन्होंने 11 बार 5 विकेट हॉल अपने नाम किए हैं। इस खिलाड़ी का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 7/42 का रहा है। उन्होंने 2 बार दोनों पारियों को मिलाकर 10 विकेट भी लिए हैं। जडेजा ने भारतीय सरजमीं पर सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में कपिल देव (219) की बराबरी कर ली है। वहीं जडेजा के टेस्ट करियर की बात करें तो, उन्होंने अपना पहला टेस्ट 2012 में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में डेब्यू किया था। उन्होंने 74 टेस्ट मैच खेले हैं इसकी 138 पारियों में लगभग 24 की औसत से 300 विकेट अपने नाम किए हैं। उन्होंने अपने टेस्ट करियर में 13 बार 5 विकेट हॉल किए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 7/42 का रहा है। जडेजा ने गेंद के अलावा बल्ले से भी कमाल किया है। उन्होंने 36.72 कि औसत से 3,122 रन भी बनाए हैं। उनके बल्ले से 4 शतक और 21 अर्धशतक भी निकले हैं।

रोहित शर्मा की फिटनेस पर सवाल उठाने वालों को देखना चाहिए ये वीडियो

नई दिल्ली (एजेंसी)। कानपुर टेस्ट में 37 वर्षीय कप्तान रोहित शर्मा ने अपनी काबिलियत से उनके आलोचकों को मुंह तोड़ जवाब दिया है। दरअसल, रोहित शर्मा की फिटनेस को लेकर आए दिन आलोचक उन्हें घेरते रहते हैं। लेकिन कानपुर टेस्ट मैच के चौथे दिन रोहित ने जिस तरह हवा में उछलकर एक हाथ से लिटन दास का कैच लपका है उसे देखकर हर कोई दंग है। ऐसा लग रहा था कि खुद रोहित को विश्वास नहीं हो रहा था कि उन्होंने ये कैच लपका है। बीसीसीआई ने इसका वीडियो एक्स पर शेयर किया है। बारिश के चलते कानपुर टेस्ट मैच पहले तीन दिन बाधित रहा। महज 35 ओवर का ही खेल हो पाया था। बांग्लादेश ने मैच के पहले दिन तीन विकेट पर 107 रन बनाए थे, इसके बाद दो दिन एक भी गेंद नहीं फेंकी जा सकी। मैच के चौथे दिन यानी सोमवार को बांग्लादेश ने इससे आगे खेलना शुरू किया और 170 रनों तक 6 विकेट गंवा दिए थे। मेहमान टीम को पांचवां झटका लिटन दास के रूप में लगा, जो 30 गेंद पर 13 रन बनाकर मोहम्मद सिराज का शिकार बने। रोहित शर्मा मिड ऑफ पर खड़े थे, 50वें ओवर की चौथी गेंद थी और लिटन दास ने इसे हवा में खेल लिया।

लिटन का ये शॉट काफी तेज तर्रार था, रोहित हवा में उचले और एक हाथ से आसानी से इस कैच को लपक लिया। रोहित की हवा में उछलने की टाइमिंग इतनी बढ़िया थी, कि गेंद उनके हाथ में चिप सी गई। कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम पर ये टेस्ट मैच खेला जा रहा है और अब महज दो दिन का खेल बचा है।

नए उत्कृष्टता केंद्र की सुविधाएं भारत को सभी प्रारूपों में सर्वश्रेष्ठ बनाए रखेंगी-लक्ष्मण

बेंगलुरू (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के नए उत्कृष्टता केंद्र के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण ने कहा कि यहां आधुनिक सुविधाएं खिलाड़ियों को खुद को बेहतर बनाने और शीर्ष स्तर की फिटनेस बनाए रखने में मदद करेंगी जिससे भारत को तीनों प्रारूपों में अपना दबदबा बनाए रखने में मदद मिलेगी। राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) 2000 से चिन्नास्वामी स्टेडियम परिसर में चल रही थी लेकिन अब इसका नाम बदलकर बीसीसीआई उत्कृष्टता केंद्र (बीसीई) कर दिया गया है और अब इसे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के करीब ले जाया गया। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने शनिवार को बंद कमरे में आयोजित समारोह में अन्य गणमान्य व्यक्तियों की मौजूदगी में इसका उद्घाटन किया। 2021 में एनसीए प्रमुख का पदभार संभालने वाले लक्ष्मण ने चुनिंदा मीडिया से कहा, ''मुझे लगता है कि उत्कृष्टता केंद्र के लाभार्थी केवल क्रिकेटरों की भावी पीढ़ी ही नहीं बल्कि क्रिकेटरों की मौजूदा पीढ़ी भी होगी। वे खुद को निखारने, चुनौतियों और विभिन्न श्रृंखलाओं के लिए तैयार होने के लिए आते हैं। '' लक्ष्मण ने इस धारणा को भी दूर किया कि यह केंद्र क्रिकेटरों के लिए केवल रिहैबिलिटेशन का केंद्र है। उन्होंने कहा, ''यह एक गलत धारणा है कि क्रिकेटर केवल रिहैबिलिटेशन के लिए यहां आते हैं। मुझे भरोसा है कि इस सुविधा में आने वाले सभी खिलाड़ी इस कार्यक्रम का हिस्सा होंगे और उत्कृष्टता हासिल करने का प्रयास करेंगे। वे सर्वश्रेष्ठ बनने का प्रयास करेंगे। '' उन्होंने कहा, ''इस प्रक्रिया में भारतीय क्रिकेट टीम शायद सभी प्रारूपों में दुनिया में सर्वश्रेष्ठ टीम होगी। बीसीसीआई और इस केंद्र में हमारे द्वारा चलाए जाने वाले सभी कार्यक्रमों का पूरा उद्देश्य यही है।

कब तक खिलाड़ियों को रिटेन कर सकेंगी आईपीएल टीमें?

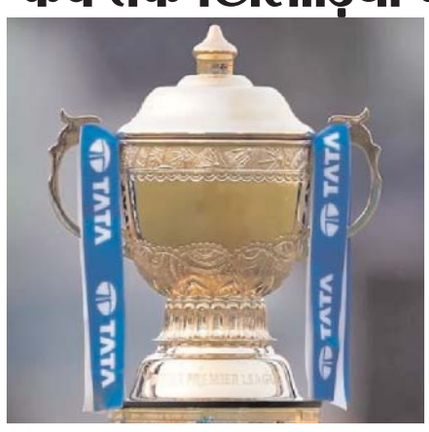

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी के लिए टीमों के पास रिटेंशन फाइनल करने की डेडलाइन 31 अक्टूबर रखी गई है। आईपीएल फ्रेंचाइजी संयुक्त रुप से रिटेंशन और राइट- टू-मैच विकल्प चुन सकती है। अधिकतम 6 खिलाड़ी रिटेन हो सकते हैं, जिसमें पांच कैप्ड भारतीय और विदेशी और दो से ज्यादा अनकैप्ड भारतीय नहीं चुने जा सकते हैं। शनिवार को आईपीएल के संचालन परिषद ने नियमों की घोषणा की। रिटेंशन में अगर कोई खिलाड़ी 31 अक्टूबर से पहले अंतर्राष्ट्रीय डेब्यू कर लेता है तो उसको कैप्ड माना जाएगा। लेकिन अगर कोई रिटेन हुआ अनकैप्ड खिलाड़ी नीलामी से एक दिन पहले भी अंतर्राष्ट्रीय डेब्यू करता है तो उसको अनकैप्ड ही माना जाएगा। आईपीएल की ओर से जारी प्रेस रिलीज में कहा गया है कि, रिटेंशन और आरटीएम के लिए अपना संयोजन चुना आईपीएल फ्रेंचाइजी के अपने विकेट पर है। 6 रिटेंशन/ आरटीएम हो सकते हैं, जहां पांच अधिकतम कैप्ड खिलाड़ी और दो अधिकतम अनकैप्ड खिलाड़ी रिटेन किए जा सकते हैं।

रियो पैरालंपिक में पदक जीतने पहली भारतीय महिला बनीं दीपा मलिक

नई दिल्ली (एजेंसी)। आज भारतीय पैरालंपियन खिलाड़ी दीपा मलिक अपना 54वां जन्मदिन मना रही हैं। दीपा मलिक ने खेल जगत में अपना एक विशेष स्थान बनाया है। पैरालंपिक खेलों में मेडल जीतने वाली दीपा मलिक पहली महिला भारतीय हैं। हालांकि उन्होंने अपने जीवन में बहुत संघर्ष किया है, लेकिन उन्होंने कभी अपने हौसलों को कमजोर नहीं पड़ने दिया। दीपा खेल के अलावा सामाजिक और लेखन कार्य भी करती हैं। वर्तमान समय में दीपा मलिक हजारों-लाखों लोगों के लिए प्रेरणा हैं। तो आइए जानते हैं उनके जन्मदिन के मौके पर दीपा मलिक के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में... हरियाणा के सोनीपत में 30 सितंबर 1970 में दीपा मलिक का जन्म हुआ था। इनके पिता का नाम बाल कृष्ण नागपाल, जोकि भारतीय सेना में थे। दीपा मलिक की जिंदगी में एक अहम मोड़ तब आया, जब

साल 1999 में उनको स्पाइनल ट्यूमर हुआ। इसकी वजह से दीपा के शरीर के निचले हिस्से ने काम करना बंद कर दिया और उनको व्हीलचेयर पर निर्भर रहना पड़ा। हालांकि इस मुश्किल समय में भी उन्होंने हार नहीं मानी और अपने जीवन के नए अध्याय की शुरूआत करने पर फोकस किया। बता दें कि दीपा मलिक न सिर्फ खेलों में बल्कि सामाजिक और लेखन कार्य भी करती हैं। वहीं वह गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोगों के लिए अभियान भी चलाती हैं। साथ ही सामाजिक संगठनों के कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेती हैं। दीपा मलिक शॉट पुटर के अलावा बाइकर, तैराक, भाला और डिस्कस थ्रोअर भी हैं। रियो पैरालंपिक खेलों में उन्होंने रजत पदक जीतकर वह पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनीं। साल 2012 में दीपा मलिक को %अर्जुन पुरस्कार% से सम्मानित किया गया। उनका नाम भाला फेंक में एशियाई रिकॉर्ड में दर्ज है। जबकि साल 2011 में विश्व चैंपियनशिप में शॉटपुर और डिस्कर थ्रो में रजत पदक जीते थे। वहीं साल 2019 में दीपा मलिक को खेल रत्न से भी सम्मानित किया जा चुका है। पैरालिंपिक खेलों में पदक जीतने वाली दीपा मलिक पहली भारतीय महिला एथलीट हैं। वह ट्यूमर जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे थीं और घर पर बिस्तर पर थीं। दीपा की स्पाइनल ट्यूमर की सर्जरी तब हुई थी, जब उनके पति कर्नल विक्रम सिंह कारगिल में देश के लिए लड़ रहे थे। इस दौरान दीपा की सर्जरी के दौरान उनको 183 टांके लगे थे।

कुछ ओवरों का अभ्यास मिलना अच्छा क्योंकि आस्ट्रेलिया में काफी गेंदबाजी करनी होगी- बुमराह

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह घरेलू श्रृंखला में अपना कार्यभार धीरे धीरे बढा रहे हैं क्योंकि उन्हें पता है कि आस्ट्रेलिया में पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला में काफी गेंदबाजी करनी होगी। बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के बाद भारतीय टीम को आस्ट्रेलिया जाने से पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन टेस्ट खेलने हैं। बुमराह ने चौथे दिन के खेल से पहले मेजबान प्रसारक से कहा ,''आस्ट्रेलिया में फिट रहने के लिये चतुर बनना होगा। इसलिये यहां कुछ ओवर अधिक मिलना अच्छा है क्योंकि वहां काफी गेंदबाजी करनी होगी।'' कानपुर टेस्ट में गीली आउटफील्ड के कारण दूसरे और तीसरे दिन का खेल नहीं हो सका। बुमराह ने कहा ,'' मौसम हमारे हाथ में नहीं है लेकिन कुछ समय आराम मिलना भी अच्छा रहा। यहां के बाद चेन्नई के हालात में तुरंत ढलना होगा। '' भारत और आस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी श्रृंखला 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होगी। बुमराह ने कहा ,'' मेरा पसंदीदा प्रारूप टेस्ट है। मैं उसमें अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहता हूं।

मैहर में शारदेय नवरात्रि मेला 3 से 12 अक्टूबर तक

नवरात्रि मेले की व्यवस्था को लेकर कलेक्टर ने ली विभागीय अधिकारियों की बैठक

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय मैहर के सभाकक्ष में सोमवार को कलेक्टर रानी बाटड़ की उपस्थिति में आगामी नवरात्रि मेले की व्यवस्था को लेकर विभागीय अधिकारी एवं मां शारदा प्रबंध समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस संबंध में कलेक्टर मैहर रानी बाटड ने मेला की तैयारियों के संबंध प्रशासनिक और राजस्व अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक सुधीर अग्रवाल, अपर कलेक्टर शैलेंद्र सिंह, एएसपी मुकेश वैश्य, एसडीएम विकास सिंह, सीएसपी राजीव पाठक, सीएमओ लालजी ताम्रकार, सीईओ प्रतिपाल बागरी, पीडब्ल्यूडी एमके त्रिपाठी सहित समिति कर्मचारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर मैहर श्रीमती बाटड ने कहा कि मैहर के नवरात्रि मेले में बड़ी संख्या में श्रद्धालु मां शारदा के दर्शन के लिये मैहर पहुंचेंगे। मां शारदा देवी के चैत्र नवरात्रि मेला में श्रद्धालुओं की सुरक्षा हेतु कानून व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त रखा जाए। मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को पेयजल के पुख्ता इंतजाम किए जाएं तथा साफ-सफाई रखने हेतु आवश्यक स्थानों पर डस्टबिन रखी जाए। जिससे मेला प्रांगण साफ स्वच्छ रहे। विद्युत की निर्बाध आपूर्ति रखने तथा कटे-फटे तारों को दुरुस्त करने संबंधी अधिकारियों को निर्देश दिए। तीर्थ यात्रियों को प्राथमिक उपचार की दृष्टि से प्राथमिक चिकित्सा एवं वाहनों की पार्किंग, यातायात व्यवस्था तथा खोया पाया केंद्र बनाने, एम्बुलेंस एवं पेट्रोलिंग वाहन को तैयार रखने, क्षतिग्रस्त जालियों को व्यवस्थित करने सीढी मार्ग में दुकान लगाना प्रतिबंधित करने के निर्देश दिए गये। उन्होने कहा कि नवरात्रि मेले जैसे बड़े आयोजन की सफलता के लिये सभी अधिकारी-कर्मचारी पूरी ईमानदारी के साथ ड्यूटी करें। आपसी समन्वय के साथ काम करें और किसी भी प्रकार की समस्या होने पर अपने उच्च अधिकारी को इसकी सूचना दें।

कलेक्टर ने कहा कि नवरात्रि मेले के दौरान बंधा वैरियल से सभी के लिए दो पहिया और चार पहिया वाहन प्रतिबंधित रहेंगे बंधा बेरियाल से अंदर आने के लिए सभी लोग ई-रिक्शा का प्रयोग करेंगे, केवल आवश्यक सेवा जैसे एंबुलेंस, दमकल, विद्युत सुधार वाहन, सफाई वाहन एवं पानी के टैंकर को अंदर जाने की अनुमति रहेगी। लाल गेट से मंदिर गर्भ गृह तक दर्शनार्थियों को क्रमबद्ध पहुंचने हेतु जिक-जैक की जाली लगाई गई है। सफाई व्यवस्था के लिए सफाई मित्रो की तैनाती के लिए प्रबंधक समिति और नगरपालिका को निर्देशित किया गया। सीढी और पहाड़ी के रास्ते मंदिर में घुसपैठ करने वाली जगह को चिन्हित करके लोहे की जाली लगाने के निर्देश दिए। सड़क किनारे के अवैध अतिक्रमण को हटाने के निर्देश दिए। मैहर पहुंचने वाले मुख्य मार्गो सतना, रीवा, कटनी एवं रीवा रोड पर वाहनों के जांच हेतु प्वाइंट बनाए गए है। मंदिर परिसर में भंडारे के आयोजन के पहले प्रबंधक समिति से अनुमति के बाद ही भंडारे प्रसाद का वितरण कर सकते है। पानी व्यवस्था हेतु 25 टैंकर लगाए गए है साथ ही सभी को निर्देशित किया गया कि सड़क में विचरण कर रहे गौवंशों को गौशाला तक पहुंचाने का कार्य करे। मुख्य चौराहे एवं मार्गो की सजावट करने के लिए अधिकाररियों को निर्देशित किया गया।

जिला पंचायत सीईओ ने ग्राम पंचायतों का प्लास्टिक बेस कचरा नगर निगम को सौंपा

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। स्वच्छता ही सेवा अभियान 2024 के तहत जिले के विभिन्न ग्राम पंचायतों से एकत्रित किया गया लगभग 1050 किलोग्राम प्लास्टिक बेस कचरा जिला पंचायत परिसर में सीईओ जिला पंचायत द्वारा सोमवार को नगर पालिका निगम सतना के एमआरएफ को सौपा गया। इस मौके पर अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सतना सुश्री संजना जैन द्वारा स्वच्छता ही सेवा अभियान अन्तर्गत नगर निगम की सीमा से 15-20 किलोमीटर के दायरे में आने वाली ग्राम पंचायतों मे विशेष अभियान चलाकर सिंगल यूज प्लास्टिक कचरे के एकत्रिकरण कर नगर पालिका निगम (एमआरएफ) सतना को सौंपने के निर्देश दिये गये थे। जिसमें जनपद पंचायत सोहावल की ग्राम पंचायत रैगांव में सरपंच सोनम राहुल सिंह बघेल द्वारा 300 किलोग्राम, ब्लॉक समन्वयक आशुतोष पाण्डेय ने जनपद पंचायत अमरपाटन की ग्राम पंचायत ताला, मुकुन्दपुर, बेला, लालपुर, भीषमपुर, खरमसेडा एवं अन्य ग्राम पंचायतो से 250 किलोग्राम, ब्लॉक समन्वयक तरूणेन्द्र प्रताप सिंह ने जनपद पंचायत रामपुर बाघेलान की ग्राम पंचायत सज्जनपुर, गोरइया तथा बांधा से 300 किलोग्राम, ब्लॉक समन्वयक आगम दास पटेल ने जनपद पंचायत उचेहरा की ग्राम पंचायत इचौल, श्यामनगर, लगरगवां, अटरा तथा पोडी से 200 किलोग्राम प्लास्टिक कचरा एकत्रित कर कचरा गाडी द्वारा जिला पंचायत कार्यालय परिसर लाकर नगर निगम के एमआरएफको सौपा गया।

सीईओ जिला पचांयत संजना जैन ने कहा कि ग्राम पंचायतों में स्वच्छता के प्रति लोगों में जागरूकता का प्रचार-प्रसार किया जाये। इससे ग्राम पंचायतें स्वच्छता की ओर सजग होगी। उन्होंने कहा कि गांवों में पॉलीथीन के खाने से गाय एवं अन्य मवेशियो को अत्याधिक नुकसान होता है। साथ ही खुल में कचरा पडा रहने से पर्यावरण को भी नुकसान होता है। इसलिए ग्रामो को पॉलीथीन मुक्त बनाये जाने के लिए अभियान चलाया जाना आवश्यक है।

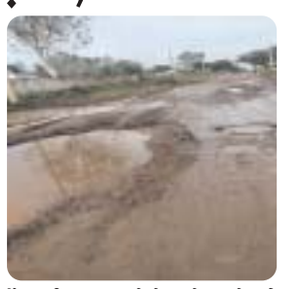

जिम्मेदारों की लापरवाही से गड्डो में तब्दील हुई सड़कें, मरम्मत कराने की मांग

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। जिला के वार्ड क्रमांक 23 से जिला पंचायत सदस्य संजय सिंह कछवाह ने कहा कि चित्रकूट विधानसभा क्षेत्र में सड़कों की स्थिति बहुत ही खराब है। खासकर पिण्डरा से बरौंधा, खोही, जवारिन एवं पहाड़ीखेरा मार्ग पूरी तरह से क्षतिग्रस्त है। सड़कें चलने लायक नही है। लेकिन जिम्मेदार अधिकारी आंख मूंदकर बैठे हैं। उन्होंने कहा कि गड्ढों में तब्दील हुई सड़कों को लेकर अधिकारी-कर्मचारी मूक दर्शक बने हुए हैं। मझगवां से पहाड़ीखेरा की सड़क है जो दो जिलों के मार्ग को जोड़ती है और मझगवां से लगभग छह किलोमीटर दूर पटनी गांव है जहां पर सड़क की हालत यह है, की यहां लोगो को घरों से निकलना दूभर है। जिम्मेदारों का पता नहीं है मझगवा में पीडब्लूडी के अस्थाई श्रमिक कहा है और इस रोड़ को कौन देख रहा है यह किसकी ज़िम्मेदारी है। आखिरकार कौन भरेगा यह गड्ढा अधिकारियों से आग्रह करते हुए सिंह ने कहा कि पिण्डरा से खोही, बरौंधा से जवारिन, मझगवां से पहाड़ीखेरा के मार्गो का तत्काल मरम्मतीकरण करवाकर सड़को को सही कराएं ताकि लोगो को सड़कों पर चलने में आसानी हो, इसी तरह इन दिनों पिंडरा से बरौंधा रोड़ पर चलना दुर्लभ है। कब किसकी गाड़ी कहां गिर जाए पता नहीं मोटरसाइकिल चलाना सबसे मुश्किल कार्य है। मझगवां बाजार की सड़क में सूखी गिट्टी डालकर गड्ढे भरे जा रहे है जिस कारण वह गिट्टी थोड़ी सी बारिश में ही बह जाती है। आखिरकार इस तरह से सड़कों का मेंटीनेंस किस नियम शर्तो के आधार पर किया जाता है, इसकीं जानकारी विभाग सार्वजनिक करें और तत्काल सभी सड़को को सुधरवाये।

5 को मैहर जिले का गौरव दिवस का आयोजन

विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मैहर नवगठित जिले की वर्षगांठ 5 अक्टूबर को गौरव दिवस के रूप में मनाया जायेगा। जिसमें विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना है। जिसको लेकर मैहर कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर रानी बाटड़ की अध्यक्षता में जन अभियान परिषद एवं विद्यालय के प्रतिनिधियों के कार्यक्रमों के आयोजनों को लेकर बैठक की गई।

इस दौरान कलेक्टर ने कहा कि गौरव दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए आयोजित किए जाएंगे। मुख्यतः बच्चो के द्वारा आयोजित होने वाले फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में पर्यावरण से संबंधित पहनावा आयोजित किया जायेगा। साथ ही प्लास्टिक के डिपोजल ग्लास प्लेट का उपयोग न करते हुए पेड़ के पत्तो के बने दोना पत्तल का प्रयोग किया जाएगा। कलेक्टर ने कहा की मैहर जिले के तीनों ब्लाक को लेकर कार्यक्रम का आयोजन किया जाना है। जिसमें चुनर यात्रा, सामूहिक रूप से राष्ट्रगान, सांस्कृतिक नृत्य, गायन, खेलकूद, खाने के स्टाल, रंगोली, मेहंदी,अटाला आर्ट, पेंटिंग, सलाद डेकोरेशन, फ्लावर डिकोर्सन, अटाला आर्ट, फोग, सामान्य ज्ञान, फैंसी ड्रेस का आयोजन किया जाना है जिसको लेकर जिला स्तरीय तैयारिया शुरू हो गई है। इस आयोजन में जिला भर से महिला, पुरुष, दिव्यांग जन, स्कूली एवं गैरस्कूली बच्चे भाग ले सकते है। गौरव दिवस के कार्यक्रम की शुरुवात वेद विद्यालय के छात्रों के द्वारा वेद मंत्रों के साथ किया जायेगा। जिसके बाद घंटाघर से मां शारदा मंदिर तक चुनर यात्रा का आयोजन किया जाना है। जिसमे स्थानीय लोगो भजन कीर्तन का गायन किया जायेगा। इसके बाद हजारों की संख्या में सामूहिक रूप से राष्ट्रगान का आयोजन किया जाएगा। इसके बाद विभिन्न कार्यक्रम एवं अंत में लेजर लाइट शो का आयोजन मैहर बाबा अलाउद्दीन खां स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। जिला प्रशासन ने मैहर जिले के नागरिकों से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाएं।

1 अक्टूबर को अन्तर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस मनाया जाएगा

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। वरिष्ठजनों को आत्मीय सम्मान देने के लिये 1 अक्टूबर को "अन्तर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस" के रूप में मनाया जाता है। वरिष्ठजनों द्वारा जीवनभर परिवार व समाज को दिये गये अमूल्य सहयोग के लिये, वृद्धावस्था में सम्मानपूर्वक जीवनयापन करने के उद्देश्यों के तहत व उनके प्रति सम्मान की भावना व्यक्त की जाना हम सभी का नैतिक दायित्व है। भारतीय समाज के परम्परागत मूल्यों में वरिष्ठजनों को सम्मान देने, देखभाल करने पर बल दिया गया है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में समाज में धीरे-धीरे संयुक्त प्रणाली का विघटन होने के परिणाम स्वरूप भावनात्मक, शारीरिक, मानसिक और आर्थिक सुरक्षा के अभाव में वरिष्ठजनों को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। वृद्धजनों की सुरक्षा, स्वास्थ्य तथा आर्थिक जरूरतों को पूरा करने और वृद्धजनों की भावनात्मक जरूरतों के प्रति संवेदनशील सामाजिक वातावरण निर्माण किये जाने की नितान्त आवश्यकता है।

कलेक्टर अनुराग वर्मा ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वरिष्ठ आश्रमों में निवासरत वृद्धजनों को संस्था स्तर पर ही सम्मानित किया जाये, वरिष्ठ आश्रमों में निवासरत वृद्धजनों के लिये इन्डोर गेम जैसे केरमबोर्ड, लूडो, शतरंज, गीत और संगीत का आयोजन किया जाये, वरिष्ठजनों की रूचियों के अनुसार मोबाईल फोन, इंटरनेट और कम्प्यूटर के उपयोग करने के संबंध में शिविरों का आयोजन कर प्रशिक्षित करें, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन तथा जिला अस्पतालों, सिविल डिस्पेंशरी, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों के माध्यम से वरिष्ठजनों के स्वास्थ्य परीक्षण के लिये शिविर आयोजित कराए, माता-पिता ओर वरिष्ठजनों की भरण-पोषण तथा कल्यांण अधिनियम 2007 तथा म.प्र. नियम 2009 में वरिष्ठजनों के अधिकार के लिये निहित प्रावधानों की जानकारी वरिष्ठजनों को दें, जनरेशन गैप दूर करने के लिये विद्यालयीन, महाविद्यालयीन छात्र-छात्राओं और युवाओं के साथ विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन कराए तथा वरिष्ठजनों की समस्याओं का निराकरण करने के लिए प्रदेश में संचालित 14567 का प्रचार-प्रसार भी कराए।

महात्मा गांधी की जयंती पर मद्य निषेध सप्ताह 2 से 8 तक आयोजित होगा

मद्यपान एवं नशे की रोकथाम के लिए विभिन्न आयोजन के कलेक्टर ने दिये निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। महात्मा गांधीजी की जयंती के अवसर पर 2 से 8 अक्टूबर 2024 तक मद्य निषेध सप्ताह मनाया जाना हैं। इसका मुख्य उद्देश्य समाज में बढती हुई मद्यपान तथा नशीली दवा, मादक पदार्थों के दुष्परिणामों से युवाओं, विद्यार्थियों एवं समाज को अवगत कराया जाकर नशा सेवन प्रवृत्ति की रोकथाम के लिए जनजागृति एवं चेतना निर्माण किया जाकर जिले को नशामुक्त बनाना हैं।

इस संबंध में कलेक्टर अनुराग वर्मा ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश जारी किये है कि समाज में बढती मद्यपान, मादक पदार्थों के दुष्परिणामों को रोकथाम एवं जानजागृति लाने के लिए गांधीजी की जयंती 2 अक्टूबर से नशे के प्रति जागरूकता लाने के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जायेगी। कार्यक्रमों का आयोजन 2 से 8 अक्टूबर तक किया जायेगा। इस पूरे सातों दिवस मद्य निषेध की रोकथाम एवं जनजागृति लाने एवं जिले को नशामुक्त बनाने कार्यक्रम निर्धारित किये गये हैं।

प्रथम दिवस 2 अक्टूबर जिला स्तर पर मद्य निषेध सप्ताह कार्यक्रम शुभारंभ एवं सामूहिक शपथ ग्रहण, 2 अक्टूबर को नशामुक्ति के लिए समस्त जिला मुख्यालायों पर वाहन रैलियों का आयोजन किया जायेगा। 2 अक्टूबर को प्रत्येक ग्राम पंचायत में मुख्यमंत्री, विभागीय मंत्री का नशामुक्ति संदेश का वाचन एवं सामूहिक नशामुक्ति शपथ ग्रहण, प्रत्येक नगरीय निकाय, समस्त नगर पालिका/नगर परिषद के प्रत्येक वार्ड में पार्षद, जनप्रतिनिधि की उपस्थिति में नशामुक्ति शपथ ग्रहण कार्यक्रम होगा। समस्त कार्यक्रमों को नशा मुक्त भारत अभियान मोबाइल ऐप पर प्रविष्टि करेंगे। द्वितीय दिवस 3 अक्टूबर को जिले के समस्त महाविद्यालयों एवं हाई/हायर सेकेण्ड्री स्कूलों में निबंध लेखन एवं वाद-विवाद प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा।

तृतीय दिवस 4 अक्टूबर को जिले के समस्त महाविद्यालयों एवं हाई/हायर सेकेन्डरी स्कूलों में नशामुक्ति पर आधारित चित्रकला, रंगोली प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जायेगा। चतुर्थ दिवस 5 अक्टूबर को जिले के समस्त नगर, ग्रामों के प्रमुख चौराहों पर नशे के विरूद्ध नुक्कड नाटकों का आयोजन, जिले के समस्त नगर, ग्रामों के प्रमुख चौराहो पर नशा की आदत से छूटे प्रभावी एवं जिम्मेदार व्यक्तियों के व्याख्यान का आयोजन किया जायेगा। पंचम दिवस 6 अक्टूबर को जिलें के समस्त हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी स्कूलों के विद्यार्थियों द्वारा नशे के प्रति "अपनों के नाम पाती" का आयोजन एवं जिले के समस्त महाविद्यालयों के विद्यार्थियों द्वारा नशे के प्रति अपनों के नाम पाती पर आयोजन किया जाएगा। छटवां दिवस 7 अक्टूबर को जिले के समस्त गैर सरकारी संगठनों की सहभागिता से युवाओं, छात्र-छात्राओं के द्वारा नशे के प्रति मानव श्रृंखला का निर्माण विभिन्न संस्थानों जैसे स्कूल, कॉलेज आदि में विषय विशेषज्ञों के माध्यम से नशामुक्ति पर व्याख्यान होंगे। जिला मुख्यालया पर नशे के विरूद्ध मैराथन/वाहन रैली का आयोजन किया जायेगा।

सातवां दिवस 8 अक्टूबर को समस्त जिला मुख्यालयों पर साप्ताहिक कार्यक्रम जिले स्तर पर समापन कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जाये। जिसमें नशामुक्ति पर आधारित नाटक का मंचन/नृत्य/गीत-संगीत आदि कलात्मक प्रस्तुतिया की जाये। आयोजित साप्ताहिक कार्यक्रमों के प्रथम/द्वितीय/तृतीय पुरस्कारों का वितरण एवं समस्त सहभागियों को सहभागिता प्रमाण-पत्र, साप्ताहिक कार्यक्रमों में स्थानीय जन प्रतिनिधियों/समाज सेवियों की सहभागिता स्थानीय जन प्रतिनिधियों, नशामुक्ति केन्द्रों, विभागीय मान्यता प्राप्त अशासकीय संस्थाओं के प्रतिनिधि, जिले में सक्रिय सामाजिक एवं स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधि, जिले में नशामुक्ति के लिए बनाये गये सभी मास्टर वांलिटियर की सहभागिता सुनिश्चित करेंगे।

शासकीय उचित मूल्य दुकान लटागांव का प्राधिकार पत्र निलंबित

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। अनुविभागीय अधिकारी एवं दुकान आवंटन प्राधिकारी मैहर विकास सिंह ने उचित मूल्य दुकान लटागांव के विक्रेता संतोष त्रिपाठी द्वारा दुकान के संचालन के दौरान सार्वजनिक वितरण प्रणाली का 30 लाख 25 हजार मूल्य का 939 क्विंटल खाद्यान्न सामग्री का अपयोजन करने पर उचित मूल्य दुकान लटागांव का प्राधिकार पत्र तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। संबंधित अपचारी विक्रेता पर बदेरा थाने में पुलिस में एफआईआर भी दर्ज कराई गई है। विक्रेता संतोष त्रिपाठी को पूर्व में नोटिस जारी कर अनियमिताओं के संबंध में स्पष्टीकरण भी लिया गया है। जवाब संतोष प्रद और समाधान कारक नहीं पाए जाने पर दुकान का आवंटन आदेश स्थगित कर दिया गया है।

मास्टर वालेन्टियर्स का प्रशिक्षण संपन्न

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। संचालनालय सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के निर्देशानुसार 2 अक्टूबर से 8 अक्टूबर 2024 तक मद्य निषेध सप्ताह के रूप में मनाया जायेगा। मद्य निषेध सप्ताह विकसित भारत का मंत्र, भारत हो नशे से स्वतंत्र की थीम पर मनाया जायेगा। इस संबंध में कार्यक्रम को सफल संचालन बनाने हेतु संबंधित विभाग प्रमुखों, स्वयं सेवी संगठनों के मास्टर वालेन्टियर्स को सोमवार को ई-दक्ष केन्द्र में प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में उप संचालक, सामाजिक न्याय सौरभ सिंह ने नशे की भयावहता एवं दुष्प्रभाव की विस्तार से जानकारी दी। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवेश सिंह ने बताया कि पुलिस विभाग नशीले पदार्थों के वितरण एवं उपलब्धता पर नियंत्रण लगाने का कार्य कर रहा है।

किन्तु नशे से ग्रसित लोगों में इसके दुष्प्रभावों की जानकारी देकर मनोवैज्ञानिक सहयोग प्रदान कर इसके दुष्चक्र से बाहर निकालने का प्रयास करना सामाजिक न्याय विभाग का कार्य है। समग्र अधिकारी रूचि बागरी, शोभा तिवारी, श्वेता सक्सेना, रचना वर्मा द्वारा पावर प्वांइट प्रजेंटेशन द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम में प्रोफेसर क्रांति मिश्रा, संजय सिंह, राम सिंह, डॉ अमर सिंह, निवेदिता सिंह, ख्याति पाण्डेय, कल्पना पाण्डेय एवं विभिन्न स्वयं सेवी संगठनों के पदाधिकारियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। कार्यक्रम का संचालन प्रमुख कलाकार केके शुक्ला द्वारा किया गया। इस मौके पर गणेश प्रसाद कुशवाहा, पुण्यवती गुप्ता, आरपी चौधरी, सत्यदेव नापित, प्रशांत प्रजापति, अंकुर श्रीवास्तव, धर्मेन्द्र वर्मा, सुमित खरे एवं रामभवन शुक्ला उपस्थित थे।

पत्र लेखन प्रतियोगिता 14 सितंबर से 14 दिसंबर तक

अखिल भारतीय ढाई आखर पत्र लेखन अभियान वर्ष 2024-25

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। भारतीय डाक विभाग द्वारा अखिल भारतीय ढाई आखर पत्र लेखन अभियान वर्ष 2024-25 के तहत पत्र लेखन प्रतियोगिता का आयोजन 14 सितंबर से 14 दिसंबर 2024 तक किया जा रहा है। इस वर्ष प्रतियोगिता का विषय लेखन का आनंद डिजिटल युग में पत्रों का महत्व जेम श्रवल व तिपजपदहरू प्उचवतजंदबम व स्ंजजमते पद क्पहपजंस हम निर्धारित किया गया है। प्रतियोगिता सभी आयु वर्ग के लिए रखी गई है। जिसमें 18 वर्ष तक तथा 18 वर्ष के अधिक की दो श्रेणियां रखी गई है।

इन दो श्रेणियों में अंतर्देशीय पत्र (अधिकतम 500 शब्दों में) एवं लिफाफा अधिकतम 1000 शब्दों में की दो उप श्रेणियां रखी गई है। हस्त लिखित पत्र हिन्दी एवं अंग्रेजी में संबंधित प्रवर अधीक्षक डाकघर, अधीक्षक डाकघर कार्यालय के पते पर रजिस्टर्ड डाक/स्पीड पोस्ट के माध्यम से अथवा हाथों-हाथ भेजा जा सकता है। पत्र में प्रतिभागी को उम्र के संबंध में स्वहस्ताक्षरित प्रमाण पत्र देना होगा जो 1 जनवरी 2024 की आयु 18 वर्ष से कम/अधिक है।

मध्यप्रदेश परिमंडल से प्रत्येक उप श्रेणी के सर्वश्रेष्ठ तीन पत्रों में क्रमशः 5 हजार, 10 हजार एवं 25 हजार रूपये से पुरूस्कृत किया जायेगा एवं चयनित पत्रों को अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए महानिदेशालय नईदिल्ली भेजा गायेगा। महानिदेशालय नई दिल्ली द्वारा अखिल भारतीय स्तर पर प्रत्येक उप श्रेणी में चयनित सर्वश्रेष्ठ तीन पत्रों को क्रमश 10 हजार, 25 हजार एवं 50 हजार रूपये से सम्मानित किया जायेगा। पत्र पोस्ट करने की अंतिम तारीख 14 दिसंबर निर्धारित की गई है।

राज्य स्तरीय ग्लूकोमा परामर्श कार्यशाला में डॉ बी. के. जैन विशेष अतिथि सम्मान से हुए सम्मानित

मीडिया ऑडीटर, चित्रकूट निप्र। परमहंस संत श्री रणछोड़दासजी महाराज द्वारा स्थापित नेत्र चिकित्सा के लिए विश्वस्तरीय ख्यातिलब्ध संस्थान श्री सदगुरू सेवा संघ ट्रस्ट के निदेशक डॉ.बी.के.जैन को साइटसेवेर्स इंडिया और एबबी इंडिया द्वारा ग्लूकोमा के कारण दृष्टि दोष की रोकथाम के लिए मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में राज्य स्तरीय परामर्श कार्यशाला का आयोजन किया गया है जिसका मुख्य उद्देश्य ग्लूकोमा के जोखिम कारकों और नियमित नेत्र जांच के महत्त्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना है।इस कार्यशाला में देश के कोने कोने से आए तमाम नेत्र विशेषज्ञ,वरिष्ठ ऑप्टोमेट्रिश, सार्वजनिक स्वास्थ्य पेशेवर, समाज के गणमान्य नागरिक एवं पत्रकार सहित कार्यशाला में प्रतिभाग करने वाले प्रतिभागियों का एक समूह उपस्थित रहा।

कार्यक्रम की शुरुआत प्रसन्नकुमार पी एन के उद्घाटन भाषण से हुई तत्पश्चात श्री सदगुरू सेवा संघ के ट्रस्ट के ट्रस्टी एवं डायरेक्टर डा बी के जैन और स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने अपने संबोधन दिए डा जैन ने सदगुरू परिवार की ओर से साइट सेवर्स को इस महत्त्वपूर्ण पहल के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि साइट सेवर्स इंडिया एवम एबबी इंडिया के बीच यह सहयोग एक सराहनीय पहल है जो न कि सिर्फ ग्लूकोमा पर ध्यान आकर्षित करता है बल्कि नेत्र स्क्रिनिग और शिक्षा के माध्यम से भी ठोस समाधान प्रदान करता है।

वही इस राज्य स्तरीय ग्लूकोमा परामर्श कार्यशाला में डा बी के जैन को नेत्र चिकित्सा के क्षेत्र में अद्वतीय कार्य करने और एक नया कीर्तिमान स्थापित करने के लिए साइट सेवर्स इंडिया और एबबी इंडिया द्वारा विशेषअतिथि सम्मान से किया गया सम्मानित।

वही डा जैन ने इस मौके पर श्री सदगुरू सेवा संघ ट्रस्ट की प्रारंभ से वर्तमान तक की विकास यात्रा एवं उपलब्धियों को सभी के साथ साझा किया।आज डाक्टर जैन की कड़ी मेहनत और लगन के चलते देश विदेश में नेत्र चिकित्सा के क्षेत्र में स–ुरु सेवा संघ ने अपना कीर्तिमान स्थापित किया है। वहीं डाक्टर जैन सारी उपलब्धियों की कामयाबी का श्रेय अपने समस्त सद्गुरु परिवार के सदस्यों को मानते हैं।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।